रायपुर

गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-280

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

गुरविंदर पाल सिंह ने एडिशनल जज के तौर पर ली शपथ, दिल्ली हाई कोर्ट में जजों की संख्या 50 हुई



नई दिल्ली। न्यायिक अधिकारी गुरविंदर पाल सिंह ने बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट के एडिशनल जज के तौर पर शपथ ली। दिल्ली हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस नितिन वासुदेव साम्ब्रे ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही हाई कोर्ट में कार्यरत जजों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। हाई कोर्ट की स्वीकृत क्षमता 60 जजों की है, यानी अभी 10 पद रिक्त हैं। जस्टिस गुरविंदर पाल सिंह का शपथ ग्रहण दिल्ली हाई कोर्ट परिसर में हुआ।जस्टिस गुरविंदर पाल सिंह, दिल्ली की जिला न्यायपालिका में लंबे समय तक न्यायिक अधिकारी के तौर पर काम कर चुके हैं। वह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, साउथ, साकेत के पद पर भी रहे हैं।

बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले हुमायूं कबीर का राजनीति से संन्यास



नई दिल्ली। हुमायूं कबीर ने बुधवार को राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की, जिसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है। उन्होंने यह ऐलान रेजीनगरडु उपचुनाव के एक दिन बाद किया है जब उन्हें हिरासत में ले लिया गया था।पश्चिम बंगाल के रेजीनगर में उपचुनाव खत्म होते ही आम जनता उन्नयन पार्टी के नेता और मुर्शिदाबाद के नवादा से विधायक हुमायूं कबीर ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। आज बुधवार को मीडिया को दिए एक इंटरव्यू का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

समंदर में दुश्मन की खैर नहीं! नौसेना की ताकत बढ़ाएगा ब्रह्मोस, 661 करोड़ की डील



नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 661।50 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस डील की है। यह समझौता नौसेना के युद्धपोतों को फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चर से लैस करेगा, जिससे उनकी मारक क्षमता बढ़ेगी।ब्रह्मोस भारतीय नौसेना के कई फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर पहले से तैनात है। यह नौसेना का प्रमुख सतह से सतह पर मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है। ब्रह्मोस की खासियत इसकी सुपरसोनिक स्पीड और सटीक वार करने की क्षमता है। मिसाइल करीब तीन गुना तेज गति से उड़ सकती है और समुद्र में दुश्मन के युद्धपोतों के साथ-साथ जमीन पर मौजूद महत्वपूर्ण ठिकानों को भी निशाना बनाने में सक्षम है।वहीं, फायर कंट्रोल सिस्टम युद्धपोत के सेंसर, कमांड सिस्टम और मिसाइल लॉन्चर के बीच अहम कड़ी का काम करता है।

दिशा सालियान केस- बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश की एक शर्त पर पिता को आपत्ति



नई दिल्ली। दिशा सालियान के पिता ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को स्पष्ट करने या हटाने की मांग की है, जिसमें सीबीआई को किसी को आरोपी न मानने की शर्त थी। पिता का दावा है कि इस शर्त का दुरुपयोग हो रहा है। मुंबई में दिशा सालियान की मौत के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के बाद यह मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। दिशा की 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक बहुमंजिला इमारत से गिरने के बाद मौत हो गई थी। CBI इस मामले की जांच कर रही है। एक शर्त को हटाने या स्पष्ट करने की मांग की है।

'नमो सेवा गाथा' लाइट एंड साउंड शो में जीवंत हुई प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणादायी जीवन यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित: मुख्यमंत्री

'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ में रेल, जनजातीय विकास और निवेश के क्षेत्र में खुल रहे नई प्रगति के द्वार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के बलवीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' समारोह में शामिल हुए। समारोह में आयोजित 'नमो सेवा गाथा' लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की संघर्ष से सेवा और सेवा से राष्ट्र निर्माण तक की प्रेरणादायी जीवन यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन देश के सार्वजनिक जीवन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव का साक्षी है। 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण हुए हैं।



लगभग 13 वर्ष गुजरात के मुख्यमंत्री और 12 वर्ष से अधिक समय से देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी यह यात्रा सेवा, सुशासन, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की प्रेरक गाथा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए भारत को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य किया है। देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपना परिवार मानकर वे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ देश को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके नेतृत्व में शासन की योजनाओं का केंद्र गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग बने हैं तथा विकास की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हुई है।

प्रधानमंत्री की जीवन यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'नमो सेवा गाथा' के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जीवन के विभिन्न पड़ावों, संघर्ष, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जानने का अवसर मिला। उनका जीवन विशेष रूप से नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है।उन्होंने कहा कि सामान्य परिस्थितियों से आगे बढ़कर अपने परिश्रम, अनुशासन, दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवा भाव के माध्यम से देश का नेतृत्व करने तक की प्रधानमंत्री श्री मोदी की यात्रा युवाओं को यह संदेश देती है कि संकल्प मजबूत हो और उद्देश्य जनसेवा का हो तो बड़ी से बड़ी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस तथा स्थानीय जनता के सहयोग से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को ऐतिहासिक सफलता मिली है।

जीवन-समाज और धर्म की रक्षा जरूरी, अपनी परंपराओं का पालन करें: मोहन भागवत

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत के लोगों को अपनी परंपराओं का पालन करना चाहिए और समाज व दुनिया की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए। भागवत ने कहा कि सबके लिए एक संतोषजनक जीवन सुनिश्चित करने में सभी को योगदान देना चाहिए। आरएसएसप्रमुख ने ये बातें विश्व हिंदू परिषद (आरएसएस) के दिवंगत अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के मौके पर नागपुर जिले के देओलापुर में गौ-विज्ञान अनुसंधान केंद्र में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहीं।उन्होंने कहा कि समाज और दुनिया की सुरक्षा और भलाई के लिए भारत की परंपराएं बहुत जरूरी हैं। मोहन भागवत ने कहा, जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, हमारे जीवन, समाज और धर्म की रक्षा और दुनिया की बेहतरी के लिए जो रास्ता सबसे जरूरी होता जा रहा है, वह यह है कि भारत के लोग अपनी परंपराओं के अनुसार जिएं और सफल हों। हर किसी का जीवन संतोषजनक होना चाहिए, और हम सभी को इसके लिए कुछ न कुछ करना चाहिए।संघ प्रमुख ने कहा कि समाज के आकार की तुलना में अच्छे कामों में लगे लोगों की संख्या पर्याप्त नहीं है और सामाजिक कार्यों में लोगों की अधिक भागीदारी की जरूरत है। भागवत ने कहा, हमारे समाज में त्योहारों को बहुत पसंद किया जाता है और हम पूरे जोश के साथ उनमें हिस्सा लेते हैं। लेकिन लोग आम तौर पर यह नहीं सोचते कि जो जरूरी है, वह मैं करूंगा।



अच्छे लोगों को याद करें

संघ प्रमुख ने कहा कि जब कुछ अच्छा होता है, तो उसमें पूरे समाज का योगदान झलकता है। उन्होंने कहा कि अच्छे लोगों को याद करने के दो तरीके हैं - या तो अच्छे काम करके या फिर सिर्फ उन लोगों को याद करके जिन्होंने अच्छे काम किए थे। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग यह मानते हैं कि ऐसे काम किसी और को करने चाहिए, भले ही उन्हें पता हो कि क्या करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपनी निजी जिंदगी में त्याग और सहनशीलता दिखाते हैं,

पिंगले और सिंघल का जीवन देश को समर्पित

उन्होंने दिवंगत मोरोपंत पिंगले और विहिप नेता अशोक सिंघल का उदाहरण दिया, जिन्होंने एक बड़े मकसद के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और आज उन्हें व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है।

पश्चिम बंगाल में एएसएसडी कैटेगरी से कटे वोटर्स के नाम फिर से जुड़वाने का चांस, ईडी ने अपलोड की लिस्ट, बीएलओ करेंगे मदद

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने बूथ लेवल ऑफिसर को यह भी निर्देश दिया है कि वे उन योग्य वोटर्स की पहचान करने की अपनी कोशिशें तेज कर दें, जिनके नाम रिविजन प्रोसेस के दौरान गलती से वोटर लिस्ट से छूट गए हो सकते हैं।ईडी से जुड़ी वेबसाइटों पर जानकारी, अधिकारियों की डिटेल्स भी पब्लिक दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दल प्रदर्शन कर रहा है। इस बीच चुनाव आयोग ने पश्चिम



बंगाल में 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' के दौरान वोटर लिस्ट से हटाए गए वोटर्स की एक ऑनलाइन लिस्ट जारी की है। इन वोटरों के नाम इसलिए हटाए गए थे क्योंकि वे या तो अनुपस्थित पाए गए। या फिर कहीं और चले गए थे या उनकी मृत्यु हो गई थी।

छूट गए हो सकते है

साथ ही चुनाव आयोग ने बूथ लेवल ऑफिसर को यह भी निर्देश दिया है कि वे उन योग्य वोटर्स की पहचान करने की अपनी कोशिशें तेज कर दें, जिनके नाम रिविजन प्रोसेस के दौरान गलती से वोटर लिस्ट से छूट गए हो सकते हैं।अनुपस्थित, कहीं और चले गए, मृत या हटाए गए के तौर पर मार्क किए गए वोटर्स की लिस्ट 'चीफ इलेक्टोरल अधिकारियों की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दी गई है।

कोहली बोले- 5 करोड़ लेकर प्रेमानंदजी के पास नहीं गया

श्रद्धा-सम्मान की वजह से आश्रम जाता हूं; फलाहारी महाराज ने लगाए थे आरोप

मथुरा। विराट कोहली 2023 से 2026 तक 8 बार प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे थे। क्रिकेटर विराट कोहली ने 5 करोड़ रुपए लेकर संत प्रेमानंद के आश्रम जाने के आरोपों को नकार दिया है।कोहली के प्रवक्ता ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि सभी



आरोप झूठे, निराधार और तथ्यहीन हैं। उन्होंने कहा किकोहली प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए आश्रम सिर्फ गहरी श्रद्धा और सम्मान की वजह से जाते हैं। मीडिया से अपील है।

दिल्ली के सीमापुरी इलाके में गिरी बहुमंजिला इमारत, राहत और बचाव कार्य जारी

सत्य निकेतन हादसे के करीब एक महीने बाद राजधानी दिल्ली के सीमापुरी इलाके में एक और इमारत गिर गई है। इस इमारत में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। दो बच्चों को मलबे से निकाला गया है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। फायर विभाग को दोपहर करीब सवा 3 बजे बिल्डिंग गिरने की सूचना मिली। इसके बाद मौके पर दिल्ली पुलिस और फायर विभाग की टीम पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय लोग भी बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं।हादसे के बाद का वीडियो सामने आया है। वीडियो में मलबा दिख रहा है। सैकड़ों स्थानीय लोग मलबे को हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

मेरे ऊपर 45 एफआईआर चाहता हूं कि 100 हो जाएं



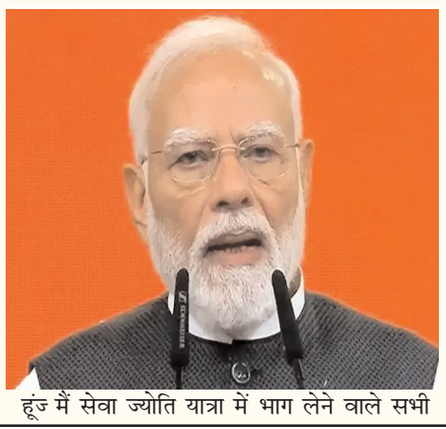
नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इंडिया ब्लॉक के विरोध प्रदर्शन के दौरान आकाशवाणी भवन में कथित तौर पर जबरन घुसने के आरोप में अपने खिलाफ दर्ज स्वढ्ढक्रको लेकर कहा कि उनके लिए हर स्वढ्ढक्रएक मेडल की तरह है। उन्होंने कहा कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर अपना विरोध जारी रखेंगे। मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि मेरे खिलाफ 45 स्वढ्ढक्रदर्ज हैं। मेरा लक्ष्य 100 एफआईआर है।उन्होंने कहा कि करीब 300 लोकसभा और राज्यसभा सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलना चाहते थे लेकिन उन्हें मुलाकात की अनुमति नहीं दी गई।

सेवा ज्योति यात्रा में भाग लेने वाले सभी नागरिकों का भी अभिनंदन करता हूं

पीएम मोदी ने सेट किया 2047 का टारगेट, सत्ता के 25 साल पूरा होने पर बताया देश का लक्ष्य

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दिल्ली में विकसित भारत संकल्प सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को धन्यवाद ज्ञापित किया और का नया नारा दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज मैं विनायक मंदिर गया था, वहां मैंने भगवान से देश के लिए प्रार्थना कियाज मैंने अपने लिए भी प्रार्थना किया।। और भगवान से मांगा कि मुझे इतनी ऊर्जा दीजिए कि मैं देश की सेवा करता रहूं। पीएम मोदी ने कहा, '25 सालों के दौरान इतने सारे चुनाव हुएज चाहे वो विधानसभा के चुनाव हों या लोकसभा के चुनाव, जनता ने हमेशा मुझे अपनी सेवा के लिए चुना।। मैं आज भारत के लोकतंत्र का, भारत के संविधान का भी वंदन करता



हूंज मैं सेवा ज्योति यात्रा में भाग लेने वाले सभी नागरिकों का भी अभिनंदन करता हूं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के बुधवार यानी 7 अक्टूबर को 25 साल पूरे हुए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक नरेंद्र मोदी ने कई ऐसे फैसले लिए, कई ऐसी योजनाएं शुरू कीं, जिनसे आम आदमी की जिंदगी बदल गई।

हर दिन कुछ नया सीखने का प्रयास करता हूं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'देश ने मुझे बहुत कुछ दिया हैज इसलिए देश के लिए मेरा दायित्व भी सबसे अधिक हैज और मैं हृदय से ये मानता हूं कि देश के हर नागरिक का मुझपर सबसे बड़ा हक हैज ये 25 वर्ष का जन विश्वास, ये 25 वर्षों का अनुभव बहुत बड़ी पूंजी हैज और ये पूंजी सिर्फ मोदी की नहीं है, ये पूंजी देश की हैज मां भारती की हर संतान इस पूंजी की अधिकारी है।' बचपन को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे याद है कि जब मैं वडनगर के स्कूल में पढ़ने जाता था, तब हमारे मास्टर जी तरह-तरह के पाठ पढ़ाते थे और क्लास में सबसे पहले पहुंचने वाले स्टूडेंट में हमेशा मेरा नाम होता थाज सीखने की वो ललक मेरे जीवन का हिस्सा बन गई और मैं आज भी स्वयं को एक विद्यार्थी ही मानता हूं।

बालिका क्रिकेट में सरगुजा का शानदार प्रदर्शन, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बना विजेता

बिलासपुर ने हासिल किया दूसरा और दुर्ग संभाग ने तीसरा स्थान

खेलभांठा मैदान में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण का दिखा रोमांच, खिलाड़ियों ने जीत के लिए लगाया पूरा दमखम

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 17 वर्ष बालिका क्रिकेट के मुकाबले खासे रोमांचक रहे। प्रदेश के विभिन्न संभागों से पहुंची बालिका खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कड़ी टक्कर और जीत के लिए आखिरी क्षण तक चले संघर्ष के बीच सरगुजा संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते



हुए प्रथम स्थान हासिल कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। बिलासपुर संभाग द्वितीय तथा दुर्ग संभाग तृतीय स्थान पर रहा।

चार दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान बालिका क्रिकेट में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना। बल्लेबाजों ने जहां क्रीज पर धैर्य और आत्मविश्वास के साथ रन जुटाने का प्रयास किया, वहीं गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया। क्षेत्ररक्षण में भी खिलाड़ियों ने चुस्ती और तालमेल का परिचय दिया। प्रत्येक मुकाबले में जीत के लिए टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही और खिलाड़ियों ने अंतिम गेंद तक हार नहीं मानने का जज्बा दिखाया।

सरगुजा की बालिकाओं ने दिखाया दमखम

प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग की बालिका क्रिकेट टीम ने लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। टीम के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ क्षेत्ररक्षण में बेहतर तालमेल बनाकर मुकाबलों में बढ़त बनाई और अंततः प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। बिलासपुर संभाग ने भी कड़ी चुनौती देते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि दुर्ग संभाग की टीम तीसरे स्थान पर रही।

कवर्धा-बेमेतरा मार्ग पर पशुओं को देख उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को लगाई फटकार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



कवर्धा-बेमेतरा मार्ग पर पशुओं को देख उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को लगाई फटकार

कवर्धा-बेमेतरा मार्ग पर सड़क के बीच पशुओं को बैठे देखकर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने गंभीर नाराजगी जताई। कवर्धा जाते समय सड़क पर पशुओं को देखकर उन्होंने बेमेतरा टोल प्लाजा के पास मंगलवार को देर रात अपना वाहन रुकवाया और तत्काल विभागीय अधिकारियों से मोबाइल पर बात कर हाइवे पेट्रोलिंग व्यवस्था की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप पेट्रोलिंग वाहन द्वारा किए जा रहे नियमित निरीक्षण के संबंध में पूछा। अधिकारियों ने बताया कि हाइवे पेट्रोलिंग वाहन द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस पर श्री शर्मा ने पेट्रोलिंग वाहन को मौके पर बुलवाया और अब तक किए गए पशु रेस्क्यू ऑपरेशन के साथ ही प्रतिदिन किए जा रहे निरीक्षण एवं अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कवर्धा से बेमेतरा तक पड़ने वाले ग्रामों के स्थानीय लोगों के माध्यम से पेट्रोलिंग वाहन की गतिविधियों की नियमित जानकारी ली जाए।

सड़क पर पशुओं की मौजूदगी को लेकर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाइवे पर नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए और सड़क पर बैठे अथवा विचरण कर रहे पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कार्रवाई तत्परता से की जाए।

इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

आर्थिक संबल की नई किरण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की श्महतारी वंदन योजनाश् ग्रामीण अंचलों में आशा की एक नई किरण बनकर उभर रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में उनके स्वास्थ्य और स्वाभिमान का संबल भी बन रही है। नारायणपुर जिले के सुदूर ग्राम बेनूर की रहने वाली श्रीमती रामदई कुलदीप की कहानी इस बदलाव की एक जीवंत मिसाल है।

इलाज और दवाइयों की चिंता से मिली मुक्ति

एक समय था जब रामदई कुलदीप को अपनी छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं, दवाइयों और दैनिक जरूरतों के लिए आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था। वित्तीय निर्भरता के कारण उन्हें अक्सर अपनी आवश्यकताओं से समझौता करना पड़ता था। लेकिन



श्महतारी वंदन योजनाश् की शुरुआत के बाद उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। योजना के तहत हर महीने मिलने वाली नियमित राशि ने उन्हें सीधा आर्थिक सहारा दिया है, जिसका उपयोग वे अब अपने इलाज और नियमित दवाइयों के खर्चों को पूरा करने में कर रही हैं।

घर की जिम्मेदारियों में बना अतिरिक्त सहारा

रामदई बताती हैं कि इस योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता केवल स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं है। पारिवारिक जरूरतों के समय यह राशि उनके लिए एक मजबूत वित्तीय बैकअप साबित होती है। इससे वे अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार घरेलू खर्चों और रोजमर्रा की जरूरतों को बिना किसी तनाव के आसानी से पूरा कर पा रही हैं।

वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह पर 8 अक्टूबर को सारंगढ़ में मैराथन दौड़

राज्य शासन के वन विभाग के निर्देशानुसार होगा आयोजन, तेंदुदरहा बैरियर से सहसपानी तक दौड़ेंगे प्रतिभागी

कलेक्टर ने वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

राज्य शासन के वन विभाग के निर्देशानुसार वन्य प्राणियों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में 2 से 8 अक्टूबर तक वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में वन मंडल सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा 8 अक्टूबर को मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। सुबह 7 बजे तेंदुदरहा बैरियर से प्रारंभ होने वाली यह दौड़ सहसपानी तक आयोजित होगी।

कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के उद्देश्यों के अनुरूप वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के लिए जनभागीदारी और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में वन, वन्य प्राणी और जैव विविधता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनके संरक्षण के प्रति समाज के प्रत्येक वर्ग में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना आवश्यक है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं को प्रकृति और वन्य जीवों के संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

मैराथन से दिया जाएगा वन्य जीव संरक्षण का संदेश

वन्य जीवों का संरक्षण, हम

सबकी जिम्मेदारी÷ की भावना के साथ आयोजित मैराथन दौड़ के माध्यम से वन विभाग लोगों को वन्य प्राणियों और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के लिए प्रेरित करेगा। प्रतिभागी ÷दौड़ें स्वस्थ रहें, वन्य जीवन बचाएं÷ का संदेश लेकर दौड़ में शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के साथ समाज में वन्य जीव संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के दौरान वन विभाग द्वारा लोगों को यह संदेश भी दिया जा रहा है कि जंगल केवल वन्य जीवों का आश्रय स्थल नहीं, बल्कि मानव जीवन और पर्यावरणीय संतुलन का महत्वपूर्ण आधार हैं। वन्य जीवों की विभिन्न प्रजातियों और उनके प्राकृतिक रहवास की सुरक्षा से जैव विविधता संरक्षित रहती है। इसलिए वन और वन्य जीवों की सुरक्षा में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है।

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के प्रतिभागी होंगे पुरस्कृत

मैराथन दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कार वितरण समारोह वन परिक्षेत्र कार्यालय, वनमंडल सारंगढ़ में दोपहर 1 बजे आयोजित किया जाएगा।

वन विभाग ने अधिक से अधिक लोगों से वन्य प्राणी संरक्षण की भावना से जुड़ने और प्रकृति के संरक्षण में अपनी सहभागिता निभाने का आह्वान किया है। वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के माध्यम से ÷वन्य जीव बचेंगे, प्रकृति मुस्कुराएगी÷ का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।



सेवा संकल्प अभियान के तहत मानस भवन लोरमी और ग्राम लगरा में सेवा सेतु शिविर आयोजित

एक सत बुलेटिन ➤ मुंगेली,

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका लोरमी के मानस भवन और ग्राम लगरा में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, नामांतरण, पेंशन सहित विभिन्न सेवाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं तथा ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की पात्रता एवं लाभ लेने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोदभराई, अन्नप्राशन, सुपोषण टोकरी का वितरण आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजनों को शासन की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। श्रम कल्याण विभाग द्वारा हितग्राहियों को श्रम पंजीयन कार्ड वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास की चाबी, स्वास्थ्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का लाभ दिया गया। हितग्राहियों को फलदार पौधों का वितरण भी किया गया। नोनी सुरक्षा योजना के तहत हितग्राहियों को प्रमाण पत्र, महिला स्व-सहायता समूह को चेक, मत्स्य पालकों को जाल एवं आइस बॉक्स प्रदान किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों को छड़ी, श्रवण यंत्र एवं पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत लोरमी की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा विक्रम सिंह सहित

बहतराई की खेल भूमि ने देश को दिए कई प्रतिभावान खिलाड़ी : श्री अरुण साव

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



बहतराई की खेल भूमि ने देश को दिए कई प्रतिभावान खिलाड़ी ÷ श्री अरुण साव उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के स्वर्गीय बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश के पांचों संभागों से आए खिलाड़ियों के मार्च पास्ट की सलामी ली और गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता का आगाज किया।

बहतराई की खेल भूमि ने देश को दिए कई प्रतिभावान खिलाड़ी ÷ श्री अरुण साव

बहतराई की खेल भूमि ने देश को दिए कई प्रतिभावान खिलाड़ी ÷ श्री अरुण साव राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, सरगुजा और दुर्ग संभाग के 571 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। 10 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में 14 वर्ष, 17 वर्ष एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की तीरंदाजी, 19 वर्ष आयु वर्ग की हॉकी और 19 वर्ष बालक वर्ग की कबड्डी के मुकाबले बहतराई के एस्ट्रोटर्फ, इंडोर स्टेडियम और तीरंदाजी मैदान में खेले जाएंगे।बहतराई की खेल भूमि ने देश को दिए कई प्रतिभावान खिलाड़ी ÷ श्री अरुण साव उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शुभारंभ कार्यक्रम में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बहतराई की खेल भूमि ने देश और प्रदेश को कई प्रतिभावान खिलाड़ी दिए हैं। इसी मैदान पर खेलकर संजू देवी ने एशियन गेम्स कबड्डी में स्वर्ण पदक जीता। मधु सिदार और गीता यादव ने अंडर-19 महिला हॉकी में देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संदेश 'जो खेलेगा वही खिलेगा' को दोहराते हुए खिलाड़ियों से पूरी खेल भावना और आत्मविश्वास के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि खेल के मैदान में कोई हारता नहीं है, खिलाड़ी या तो जीतता है या सीखता है।

25 वर्षों तक दीपक की तरह जले मोदी - राष्ट्रीय अध्यक्ष

एक सत बुलेटिन ➤ मनेंद्रगढ





आज स्वामी आत्मानंद विद्यालय मैदान में 25 साल जन सेवा से राष्ट्रसेवा विकसित भारत संकल्प सभा अंतर्गत सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, जिला संगठन प्रभारी बाबूलाल अग्रवाल, केबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, जिलाध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले, भरतपुर सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह शामिल हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के दीप प्रज्वलन से हुई इसके बाद वर्चुअल रूप से जुड़े भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उद्बोधन तथा उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी ने अपने 25 साल के सेवा काल के अनुभव को वर्चुअली देश के सामने रखा। उन्होंने इस दौरान 2047 के विजन को भी बिना रुके बिना थके देश के 140 करोड़ की जनता का साथ लेकर मिशन 2047 पूरा करने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने वर्चुअली उद्बोधन में कहा कि तप, साधना,संकल्प को अपने जीवन का ध्येय बनाना और इसी संकल्प को लेकर राष्ट्र सेवा की ओर अग्रसर रहे। बात कर रहे है हम प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी की।

25 साल की सेवा का यह पर्व आज हम सब, देश की 140 करोड़ भारतवासी अपना आशीर्वाद दे रहे है। श्री मोदी जी अपने 25 वर्षों में दीपक की तरह जलाया है। मैं आपके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के किताब में 2014 के बाद राजनैतिक बदलाव के बारे लिखा है। 2014 में पहली बार यैसा हुआ कि पीएम का नाम ही नहीं बल्कि उनके चेहरे पर चुनाव लड़ा गया और बम्पर जीत दर्ज की जबकि मोदी किसी राजनैतिक विरासत से नहीं रहे। वैश्विक अस्थिरता का जब दौर रहा तब भी मोदी जी का नेतृत्व देश के इस बुरे दौर से बाहर निकलने में कामयाब रहे।

जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष के संकल्प के साथ जिले में निकली सेवा ज्योति यात्रा

स्वामी आत्मानंद विद्यालय से तीन मार्गों पर निकली यात्रा, पीडब्ल्यूडी चौक पर 2047 तक विकसित भारत का लिया सामूहिक संकल्प

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के तहत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में जिला स्तरीय 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन स्वामी आत्मानंद विद्यालय परिसर से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन से प्रेरणा लेते हुए सेवा, समर्पण, जनभागीदारी तथा विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रीयगान के साथ किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पूर्व गृह मंत्री राम सेवक पैकरा, भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह, बाबूलाल अग्रवाल सहित



जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना से आगे बढ़ने का आह्वान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों से सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए 'सबका प्रयास' को बताया महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम से आभासी माध्यम से 'विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति' कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने जनसेवा के 25 वर्षों के सफर को देशवासियों के विश्वास, कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के सहयोग से जुड़ा बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद से अब तक के सफर में



उन्हें अनेक लोगों और घटनाओं से सीखने का अवसर मिला। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता ने विनम्रता, कठिनाइयों ने संघर्ष और आलोचनाओं ने आत्ममंथन करना सिखाया। उन्होंने कहा कि हर संकट ने धैर्य की परीक्षा ली और हर उपलब्धि ने बड़े लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिया। प्रधानमंत्री ने 'सबका प्रयास' को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के लिए सामूहिक प्रयास की



आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने देशवासियों के विश्वास और कार्यकर्ताओं के परिश्रम को अपनी शक्ति बताया तथा भारत के लोकतंत्र और संविधान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने सेवा ज्योति यात्रा में शामिल नागरिकों का अभिनंदन करते हुए सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और सामूहिक प्रयास के साथ विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

तीन मार्गों से निकली सेवा ज्योति यात्रा

प्रधानमंत्री के संबोधन के पश्चात सेवा ज्योति यात्रा को तीन अलग-अलग मार्गों से आगे बढ़ाया गया।

सड़कों के काम युद्धस्तर पर शुरू करने की तैयारी, पीडब्लूडी ने 4 कार्यों की निविदा को दी मंजूरी

रायपुर, बरसात के बाद राज्य में सड़कों के काम युद्धस्तर पर शुरू होंगे। लोक निर्माण विभाग ने इसके लिए निविदा प्रक्रिया तत्परता से पूर्ण कर कई कार्यों के लिए निविदा को मंजूरी प्रदान की है। विभाग ने रायगढ़ जिले में 4 कार्यों के लिए कुल 145 करोड़ 27 लाख 56 हजार रुपए की निविदा को मंजूरी दी है। इनमें दो सड़कों के मजबूतीकरण और चौड़ीकरण, एक सड़क के उन्नयन तथा एक सड़क के निर्माण का काम शामिल है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने इन कार्यों की निविदा मंजूर करते हुए रायगढ़ संभाग के कार्यपालन अभियंता को चयनित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों को कार्यादेश जारी कर तत्काल कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं। फोरलेन निर्माण के साथ सड़कों का होगा विद्युतीकरण लोक निर्माण विभाग ने रायगढ़ जिले के रायगढ़-लोइंग-महापल्ली मुख्य जिला मार्ग में पांच किलोमीटर हिस्से के फोरलेन चौड़ीकरण एवं विद्युतीकरण के लिए 59 करोड़ 49 लाख 4 हजार रुपए की निविदा को मंजूरी दी है।

न्यूज इन शॉर्ट

संस्कृत शिक्षा को नई दिशा देने छत्तीसगढ़ के विद्यालय प्रमुखों का मंथन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संस्कृत शिक्षा को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों के हित में बेहतर योजनाएं तैयार करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डल, रायपुर ने प्रदेश के प्राच्य संस्कृत विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानाचार्यों की बैठक आयोजित की। 5 अक्टूबर को हुई बैठक की अध्यक्षता विद्यामण्डलम् के अध्यक्ष श्री राजेश कुमार राजपूत ने की।

बैठक में संस्कृत के प्रचार-प्रसार को निरंतर आगे बढ़ाने, समाज में संस्कृत विद्यालयों की भूमिका और योगदान को प्रभावी बनाने तथा छात्रहित को प्राथमिकता देते हुए योजनाएं तैयार करने पर चर्चा हुई। अध्यक्ष श्री राजपूत ने विद्यालयों के प्रमुखों को विद्यार्थियों के हित में सक्रियता से कार्य करने और संस्कृत शिक्षा को समाज से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यामण्डलम् की सदस्य श्रीमती सुमन मुथा ने प्राचार्यों से अपने दायित्वों का निष्पक्षतापूर्वक निर्वहन करने का आग्रह किया। सचिव डॉ. विजय खंडेलवाल ने प्रशासनिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। सहायक संचालक (वित्त एवं योजना) श्री अमित शुक्ला ने गणवेश, पाठ्यपुस्तक, साइकिल और कम्प्यूटर वितरण से संबंधित जानकारी दी। सहायक संचालक (परीक्षा) डॉ. गरिमा ताम्रकार ने नामांकन एवं परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े आवश्यक बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

बैठक में व्याख्याता श्रीमती नत्रता चन्द्राकर एवं डॉ. व्यासनारायण आर्य, सहायक लेखाधिकारी श्री ए. पी. मिश्रा तथा सहायक ग्रेड-2 श्री वाय. के. चौबे उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना से सुनीला जायसवाल को मिला आर्थिक संबल

एमसीबी। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम भल्लौर निवासी सुनीला जायसवाल को महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1,000 की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के दौरान सामने आई उनकी यह सफलता कहानी बताती है कि योजना के माध्यम से मिलने वाली यह नियमित राशि सुनीला के लिए घर की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहारा बनी हुई है। अब तक उन्हें योजना के तहत 31 किस्तों में कुल 31,000 की राशि प्राप्त हो चुकी है।

सुनीला बताती हैं कि हर महीने मिलने वाली 1,000 की राशि का उपयोग वे अपनी और अपने परिवार की रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने में करती हैं। घर के लिए सब्जियां खरीदने, दैनिक उपयोग की छोटी-मोटी वस्तुएं लेने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर वे अपने लिए भी आवश्यक सामान खरीद लेती हैं। इस राशि से उन्हें अपने छोटे खर्चों को पूरा करने में काफी सुविधा मिलती है।सुनीला के अनुसार, पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी घर के खर्चों को ध्यान में रखना पड़ता था, लेकिन महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता ने इन जरूरतों को पूरा करना आसान बनाया है। हर महीने खाते में आने वाली राशि से उन्हें अपनी आवश्यकताओं के लिए एक निश्चित आर्थिक सहारा मिलता है और वे अपनी जरूरत के अनुसार उसका उपयोग कर पाती हैं।

वे बताती हैं कि योजना की राशि भले ही रोजमर्रा की छोटी जरूरतों के लिए उपयोग होती है, लेकिन नियमित रूप से मिलने वाली यह सहायता उनके लिए महत्वपूर्ण है। इससे वे सब्जी और जरूरी सामान जैसी आवश्यक चीजों की खरीद स्वयं कर पाती हैं और अपने छोटे-मोटे खर्चों को आसानी से संभाल लेती हैं।महतारी वंदन योजना से मिल रहे है।

इस आर्थिक सहयोग के लिए सुनीला जायसवाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जो उनकी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी साबित हो रही है।

राज्य सरकार की सख्त कार्रवाई- ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी तीन साल के लिए

राज्य सरकार ने कहाकृसार्वजनिक संपत्ति और जनता के पैसे से जुड़े दावों में अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं

शासकीय हेलीकॉप्टर का बीमा दावा चार साल से अधिक समय तक लंबित रखने के मामले में विमानन संचालनालय ने की कार्रवाई

कंपनी को कारण बताओ नोटिस, लिखित जवाब और व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के बाद जारी हुआ तर्कसंगत आदेश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने शासकीय हेलीकॉप्टर के बीमा दावे के निराकरण में चार साल से अधिक समय तक हुई देरी के मामले में कड़ा कदम उठाते हुए द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को तीन वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। विमानन संचालनालय ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए कंपनी के विरुद्ध यह कार्रवाई की है।

मामला मई 2022 में रायपुर एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हुए राज्य शासन के हेलीकॉप्टर से संबंधित है। राज्य शासन द्वारा हेलीकॉप्टर का बीमा ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से



कराया गया था और निर्धारित बीमा प्रीमियम का पूर्ण भुगतान किया गया था। दुर्घटना के बाद राज्य शासन की ओर से बीमा दावा प्रस्तुत किया गया, लेकिन कंपनी द्वारा इस दावे को चार वर्ष से अधिक समय तक लंबित रखा गया और अंततः अगस्त 2026 में इसे अस्वीकार कर दिया गया।

विमानन संचालनालय ने पूरे प्रकरण के परीक्षण में पाया कि सार्वजनिक संपत्ति से जुड़े बीमा दावे के निराकरण में अत्यधिक विलंब हुआ और राज्य शासन के प्रकरण के निपटारे में कंपनी का रवैया असंगत रहा। शासन ने इसे सार्वजनिक धन और शासकीय हित से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए कार्रवाई की है।

अधिकारियों के अनुसार शासकीय हेलीकॉप्टर सार्वजनिक संपत्ति है, जिसकी खरीदी और बीमा में जनता का पैसा लगा है। ऐसी स्थिति में बीमा दावे को वर्षों तक लंबित रखने का आर्थिक प्रभाव अंततः सार्वजनिक संसाधनों पर पड़ता है। शासन का स्पष्ट मत है कि सरकार के साथ कार्य करने वाली प्रत्येक सेवा प्रदाता संस्था को अपनी संविदात्मक जिम्मेदारियों और प्रतिबद्धताओं का समयबद्ध रूप से पालन करना होगा।

कार्रवाई से पहले कंपनी को दिया गया पूरा अवसर

राज्य शासन ने इस मामले में प्राकृतिक न्याय और निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया। ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कंपनी ने अपना लिखित जवाब प्रस्तुत किया और उसे व्यक्तिगत सुनवाई का भी अवसर दिया गया। कंपनी का पक्ष सुनने और उपलब्ध तथ्यों एवं अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद विमानन संचालनालय ने कारणों सहित आदेश पारित करते हुए कंपनी को तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट करने का निर्णय लिया।

अधिकारियों ने कहा कि शासन के साथ काम करने वाले प्रत्येक सेवा प्रदाता के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन आवश्यक है। सार्वजनिक दावों के निपटारे में अनावश्यक विलंब को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया मानकर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि इससे न केवल शासन के वित्तीय हित प्रभावित होते हैं, बल्कि सेवा व्यवस्था के प्रति विश्वास भी कमजोर होता है।

बीमा राशि की वसूली के लिए आगे भी कार्रवाई जारी रखेगा राज्य

कंपनी को ब्लैकलिस्ट किए जाने के साथ ही बीमा दावे का मामला समाप्त नहीं हुआ है। राज्य शासन अपने दावे की राशि प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई आगे भी जारी

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल से आसान हुई हिमेश की राह, पढ़ाई और आत्मनिर्भरता को मिला संबल

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल से आसान हुई हिमेश की राह, पढ़ाई और आत्मनिर्भरता को मिला संबल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आवागमन संबंधी कठिनाइयों को कम करने के लिए समाज कल्याण विभाग की योजनाएं मददगार बन रही हैं। रायगढ़ जिले के ग्राम बालगोमड़ा, ग्राम पंचायत उसरौद निवासी श्री हिमेश कुमार पटेल को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने से घर से बाहर आना-जाना और अपनी पढ़ाई जारी रखना पहले से आसान हुआ है।



समाज कल्याण विभाग, रायपुर द्वारा संचालित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदाय योजना के अंतर्गत श्री हिमेश कुमार पटेल, पिता श्री होसराम पटेल को ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। इससे पहले उन्हें आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब वे अधिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ अपने दैनिक कार्यों तथा शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों में भाग ले सकेंगे।

श्री हिमेश और उनके परिवार ने इस सहायता के लिए छत्तीसगढ़ शासन और समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार जताया है ।श्री हिमेश कहते हैं कि मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल उनके लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा जारी रखने, दैनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण सहारा बनी है। समाज कल्याण विभाग की ऐसी पहल दिव्यांगजनों को सुविधाजनक जीवन और समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध करा रही है।

बिना रेरा पंजीयन प्लॉट बेचने पर महागणपति डेव्हलपर्स पर 8 लाख रुपये का जुर्माना

स्वप्रेरणा से प्रकरण दर्ज कर की कार्रवाई, परियोजना को ऋषक्रमें पंजीकृत कराने के भी निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (ष्टत्रऋषक्र) ने बिना रेरा पंजीयन प्लॉट का विक्रय किए जाने के मामले में महागणपति डेव्हलपर्स, रायपुर के विरुद्ध महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने विकासकर्ता पर 8 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित करने के साथ ही संबंधित परियोजना को ऋषक्रके अंतर्गत पंजीकृत कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रकरण में यह तथ्य सामने आया कि महागणपति डेव्हलपर्स द्वारा एक प्लॉटेड ले-आउट परियोजना विकसित कर उसके अंतर्गत भूखंडों का विक्रय किया जा रहा था। परियोजना का ऋषक्र में पंजीयन नहीं कराया गया था। भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 3 के प्रावधानों के अनुसार पंजीयन योग्य भू-संपदा परियोजना का प्राधिकरण में पंजीयन कराए बिना किसी भूखंड अथवा इकाई का विज्ञापन, विपणन, बुकिंग या विक्रय हेतु प्रस्ताव नहीं किया जा सकता।

स्वप्रेरणा से संज्ञान लेकर प्राधिकरण ने दर्ज किया प्रकरण

परियोजना में बिना पंजीयन भूखंडों का विक्रय किए जाने का तथ्य सामने आने पर मामले का स्वप्रेरणा है।

रायपुर : सेवा संकल्प अभियान 2026

बेटी की पढ़ाई और भविष्य के लिए नियमित बचत बनी आर्थिक संबल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं की जरूरतें पूरी करने के साथ बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बचत का भी माध्यम बन रही है। जशपुर जिले की हितग्राही श्रीमती शबनम खातून हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि को अपनी बेटी के नाम खोले गए सुकन्या समृद्धि योजना के खाते में जमा कर रही हैं। छोटी-छोटी बचत के जरिए वे आज से ही बेटी की पढ़ाई और भविष्य के लिए आर्थिक आधार तैयार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। महिलाएं अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार इस राशि का उपयोग परिवार की जरूरतों, बच्चों की शिक्षा, पोषण और बचत में कर रही हैं। शबनम ने इस नियमित सहायता को अपनी बेटी के भविष्य से जोड़कर बचत की राह चुनी है।

बेटी के नाम सुकन्या समृद्धि में हर महीने निवेश

शबनम खातून बताती हैं कि पहले सीमित पारिवारिक आय के बीच बेटी के लिए अलग से नियमित बचत कर पाना आसान नहीं था। महतारी वंदन योजना से हर महीने राशि मिलने के बाद उन्होंने इसे बेटी के नाम सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करना शुरू किया। जरूरत पड़ने पर वे इस सहायता का उपयोग बेटी की पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी आवश्यकताओं के लिए भी करती हैं।उनका मानना है कि आज की छोटी-छोटी बचत आगे चलकर बेटी की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगी। नियमित आर्थिक सहायता ने उन्हें बेटी के भविष्य के लिए योजनाबद्ध तरीके से बचत करने का अवसर दिया है।

हर महीने मिलने वाली राशि बेटी के भविष्य के लिए सहेज रही हूं

शबनम खातून कहती हैं, ÷महतारी वंदन योजना से हर महीने मेरे खाते में एक हजार रुपये मिलते हैं। इस राशि को मैं अपनी बच्ची के सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं और जरूरत पड़ने पर उसकी पढ़ाई-लिखाई में उपयोग करती हूं। इस सहायता से मुझे बेटी के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर मिला है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देती हूं।

मां को आर्थिक संबल, बेटी के भविष्य को मिल रही मजबूती

महतारी वंदन योजना से मिली राशि को बेटी की शिक्षा और दीर्घकालीन बचत से जोड़ने की शबनम की पहल आर्थिक सशक्तिकरण की सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है। नियमित सहायता से वे न केवल अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं पर स्वयं निर्णय ले पा रही हैं, बल्कि बेटी के भविष्य के लिए भी व्यवस्थित रूप से राशि सहेज रही हैं।

जीपीएम में विकसित भारत के संकल्प के साथ निकली सेवा ज्योति यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जीपीएम जिले के पेंड्रा के कृषि उपज मंडी प्रांगण पतगवां में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने उपस्थित जनसमुदाय को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया और सेवा ज्योति यात्रा को रवाना किया।







जीपीएम में विकसित भारत के संकल्प के साथ निकली सेवा ज्योति यात्रा

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का वर्चुअल प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के साथ प्रारंभ हुई उनकी जनसेवा की यात्रा को आज 25 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। उन्होंने जनता-जनार्दन के आशीर्वाद को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए भारत के लोकतंत्र और संविधान के प्रत नमन व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इन 25 वर्षों में अर्जित जनविश्वास और अनुभव ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और यह पूंजी देश की जनता की है। जनता-जनार्दन ईश्वर का स्वरूप है और देश के प्रत्येक नागरिक का उन पर अधिकार है। मां भारती की निस्वार्थ सेवा ही उनका धर्म और कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि जीवन की प्रत्येक घटना से उन्होंने कुछ न कुछ सीखा है और हर चुनौती ने उनके धैर्य एवं संकल्प को और मजबूत किया है। साधन और संसाधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन सपने और हौसले हमेशा बड़े होने चाहिए। कर्म को कर्तव्य और साधना बताते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के प्रयास कभी रुकने नहीं चाहिए।

प्रधानमंत्री ने देश के विकास में स्वयंसेवकों और युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को नई बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए जोश, जज्बा और सामूहिक संकल्प आवश्यक है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की बढ़ती ताकत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिभा और सामर्थ्य की चर्चा आज पूरी दुनिया में हो रही है। वह दिन दूर नहीं, जब 'मेक इन इंडिया' की गूंज पूरी दुनिया में और अधिक मजबूती से सुनाई देगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक शक्ति और अदम्य इच्छाशक्ति पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र जरूर बनेगा। उन्होंने राष्ट्रसेवा के संकल्प को और सशक्त बनाने तथा देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक नागरिक से अपनी पूरी ऊर्जा और सामर्थ्य के साथ योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने सेवा ज्योति यात्रा में शामिल स्वयंसेवकों और देशवासियों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।इस अवसर पर मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

प्लॉट का कब्जा नहीं देने और बिना पूर्व सूचना बुकिंग निरस्त करने के मामले में मिली राहत

आबंटी के हित में CGRERA का महत्वपूर्ण आदेश, प्रमोटर लौटाएगा ब्याज सहित 33.70 लाख रुपये

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

15.09 लाख रुपये की मूल राशि के साथ 18.61 लाख रुपये ब्याज के भुगतान का आदेश

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने आबंटी के हितों की सुरक्षा से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रकरण में आदेश पारित करते हुए प्रमोटर वत्सल्य डेवलपर्स, सेजबहार, रायपुर को प्लॉट की बुकिंग के लिए आबंटी द्वारा जमा की गई राशि ब्याज सहित वापस करने के निर्देश दिए हैं।

प्राधिकरण ने प्रमोटर को 15 लाख 9 हजार 300 रुपये की मूल राशि तथा 18 लाख 60 हजार 956 रुपये ब्याज सहित कुल 33 लाख 70 हजार 256 रुपये आबंटी को भुगतान करने का आदेश दिया है।

प्रकरण के अनुसार आबंटी ने वर्ष 2012 में प्रमोटर के साथ अनुबंध कर एक आवासीय प्लॉट बुक किया था। अनुबंध की शर्तों के अनुसार आबंटी द्वारा वर्ष 2012 से 2015 के बीच प्लॉट के लिए कुल 15 लाख 9 हजार 300 रुपये की राशि प्रमोटर को अदा की गई थी। निर्धारित राशि का भुगतान किए जाने के बावजूद प्रमोटर द्वारा आबंटी को प्लॉट का कब्जा प्रदान नहीं किया गया।

बिना पूर्व सूचना निरस्त कर दी गई थी बुकिंग

प्रकरण में यह भी सामने आया कि प्रमोटर द्वारा आबंटी की बुकिंग बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त कर दी गई थी। राशि का भुगतान करने के बाद भी प्लॉट का कब्जा नहीं मिलने और बुकिंग निरस्त किए जाने पर आबंटी ने अपने हितों की रक्षा तथा जमा राशि की वापसी के लिए के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया।

प्राधिकरण ने प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों एवं उपलब्ध अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद आबंटी के पक्ष में आदेश पारित किया। इसके तहत प्रमोटर को आबंटी द्वारा जमा की गई 15 लाख 9 हजार 300 रुपये की मूल राशि के साथ 18 लाख 60 हजार 956 रुपये ब्याज का भुगतान करने के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रकार आबंटी को कुल 33 लाख 70 हजार 256 रुपये वापस किए जाएंगे।

आदेश से आबंटियों के हितों की सुरक्षा को मजबूती

प्राधिकरण का यह आदेश रेखांकित करता है कि रियल एस्टेट परियोजनाओं में प्रमोटरों के लिए आबंटियों के साथ किए गए अनुबंधों और वैधानिक दायित्वों का पालन करना आवश्यक है। निर्धारित राशि का भुगतान किए जाने के बावजूद परियोजना से संबंधित दायित्वों का निर्वहन नहीं होने अथवा आबंटी के हितों के प्रतिकूल कार्रवाई की स्थिति में आबंटी विधि के अनुरूप राहत प्राप्त करने का अधिकारी है।

न्यूज इन शॉर्ट

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर सरगुजा संभाग में होगी बैठक

अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के लिए सरगुजा संभाग में दो दिवसीय बैठक आयोजित की जाएगी। समान नागरिक संहिता समिति के सचिव की ओर से जारी पत्र के अनुसार बैठक 8 अक्टूबर 2026 को अंबिकापुर और 9 अक्टूबर 2026 को जशपुर में होगी। पत्र के अनुसार 8 अक्टूबर को अंबिकापुर में शासकीय पीजी कॉलेज ऑडिटोरिम में दोपहर 3 बजे बैठक रखी गई है। इसमें सरगुजा, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर और कोरिया जिलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। वहीं 9 अक्टूबर को सुबह 11 बजे जशपुर में बैठक होगी, जिसमें जशपुर जिले के प्रतिनिधि शामिल होंगे।सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने जिलों के राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संगठनों, शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित नागरिकों, विशिष्ट नागरिकों, गणमान्य नागरिकों तथा निगम/मंडल/आयोग के प्रतिनिधियों को उपस्थित होने का अनुरोध किया है। संभागायुक्त ने संबंधित जिलो के कलेक्टरो को इसका प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिये हैं।

सहायक शिक्षक के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 11 अक्टूबर को

उत्तर बस्तर कांकेर, छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल रायपुर के द्वारा सहायक शिक्षक के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा (एलएसएटी-26) 11 अक्टूबर दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए कांकेर शहर में 06 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें जिले के लगभग 1685 परीक्षार्थी शामिल होंगे।कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु डिप्टी कलेक्टर श्री टीकाराम देवांगन को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक शिक्षा श्री लक्ष्मण कावड़े को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त परीक्षा के लिए जिले में शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर, शासकीय इंदरू केंवट कन्या कॉलेज भीरावाही अलबेलापारा कांकेर, शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल लट्टीपारा, स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मिडियम मॉडल कॉलेज कांकेर, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सिंगारभाट कांकेर और शासकीय नरहरदेव हायर सेकेंडरी स्कूल कांकेर को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।बस्तर में पांच साल में कितना लौह अयस्क गायब, जांच के घेरे में कौन कौन

रायपुर- बस्तर की पहचान देश के बड़े लौह अयस्क भंडार और बैलाडीला जैसे खनन क्षेत्रों से है। लेकिन खनिज संसाधन की इस समृद्ध जमीन पर अवैध उत्खनन, अनियमित परिवहन और दस्तावेजों में गड़बड़ी के सवाल भी समय-समय पर उठते रहे हैं। पिछले पांच वर्षों के सरकारी रिकॉर्ड में सामने आई जानकारी ने लौह अयस्क के अवैध परिवहन से जुड़ी तस्वीर को फिर चर्चा में ला दिया है। किन जिलों में मामले सामने आए, कितना अयस्क पकड़ा गया, इसकी कीमत कितनी थी, कार्रवाई किस पर हुई और निगरानी तंत्र में कहां-कहां सवाल खड़े होते हैं। देखिए मुख्य सहायक संवाददाता प्रवीण कुमार सिंह की रिपोट क्या है लौह अयस्क लौह अयस्क यानी ह्रह्मश्रु ह्रह्मद्ब वह खनिज पदार्थ है, जिसमें पर्याप्त मात्रा में लोहा पाया जाता है और जिसे प्रसंस्करण के बाद मुख्य रूप से लोहे और स्टील के उत्पादन में इस्तेमाल किया जाता है। हेमेटाइट और मैग्नेटाइट इसके प्रमुख प्रकार हैं। खदानों से निकाले गए लौह अयस्क को कई चरणों की प्रक्रिया से गुजारकर उपयोग योग्य बनाया जाता है। वहीं लौह अयस्क के बारीक कणों को एकत्र कर तैयार किए गए छोटे, ठोस दानों को 'आयरन ओर पैलेट' कहा जाता है, जिनका इस्तेमाल स्टील उद्योग में किया जाता है। बस्तर के खनिज संसाधन और अवैध परिवहन का सवाल बस्तर संभाग देश के महत्वपूर्ण लौह अयस्क क्षेत्रों में शामिल है। दंतेवाड़ा का बैलाडीला क्षेत्र लौह अयस्क उत्पादन के लिए देशभर में जाना जाता है। ऐसे में यहां खनिज के उत्खनन से लेकर परिवहन तक हर स्तर पर निगरानी बेहद अहम हो जाती है। सरकारी रिकॉर्ड में पिछले पांच वर्षों के दौरान संभाग के कुछ जिलों में लौह अयस्क के अवैध परिवहन के मामले सामने आने की पुष्टि हुई है। यह मामले विभागीय जांच और शिकायतों के आधार पर सामने आए। हालांकि, इन मामलों को बस्तर में हुए पूरे अवैध खनिज कारोबार की तस्वीर मानना सही नहीं होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ कार्यक्रम

सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के संदेश के साथ धमतरी में निकली 'सेवा ज्योति यात्रा'

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज 07 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ सहित धमतरी शहर में 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक श्री अजय चंद्राकर शामिल हुए। छत्तीसगढ़ सहकारी बैंक (अपेक्स) के अध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सार्वा, नगर निगम महापौर श्री रामू रोहरा, पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू, श्री इंदर चंद चोपड़ा, श्रीमती पिंकी शिवराज शाह सहित श्री प्रकाश बैस तथा जनपद एवं जिला पंचायत के सदस्य, वार्ड पार्षद, अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में नागरिक वर्चुअल माध्यम से दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से



जुड़े। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना और सेवा एवं जनभागीदारी से जुड़े आयोजन में सहभागिता की।

सेवा और समर्पण के 25 वर्षों की यात्रा पर रखे विचार

धमतरी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री अजय चंद्राकर ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन की यात्रा तथा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों और उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने सेवा, जनकल्याण और समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता के महत्व पर भी अपने विचार रखे।छत्तीसगढ़ सहकारी बैंक (अपेक्स) के अध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री अजय चंद्राकर ने उपस्थित जनसमुदाय को सेवा-संकल्प की शपथ दिलाई।

कृषि उपज मंडी परिसर से गांधी मैदान तक निकली यात्रा

कार्यक्रम के पश्चात कृषि उपज मंडी परिसर से गांधी मैदान तक 'सेवा ज्योति यात्रा' निकाली गई। यात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। यात्रा के दौरान सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के संदेश को केंद्र में रखते हुए नागरिकों ने सहभागिता की। गांधी मैदान पहुंचने पर यात्रा का समापन हुआ तथा आभार प्रदर्शन किया गया। स्थानीय कलाकारों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कार्यक्रम से पूर्व कृषि उपज मंडी परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्थानीय कलाकारों एवं प्रतिभागियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे कार्यक्रम स्थल पर उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्थानीय कला एवं प्रतिभा को भी मंच प्रदान किया गया।

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर जगदलपुर के लिए रवाना हुआ कांकेर जिले का निःशक्त दल



एक सत बुलेटिन ➤ उत्तर बस्तर कांकेर,

- उत्तर बस्तर कांकेर -दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर जगदलपुर के लिए रवाना हुआ कांकेर जिले का निःशक्त दल
- सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत कांकेर जिले के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए आज न्यू बस स्टैंड स्थित डोम से दिव्यांग हितग्राहियों के 277 सदस्यीय दल को जगदलपुर के लिए रवाना किया गया। विधायक श्री आशाराम नेताम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरुण कौशिक, कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मण्डावी एवं श्री महेश जैन ने हरी झंडी दिखाकर बस सहित 06 वाहनों को रवाना किया। विधायक श्री नेताम और कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने वाहन में बैठे दिव्यांगजनों को पुष्प भेंटकर स्वस्थ जीवन एवं शुभ यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी।
- जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर धरमपुरा में आयोजित निःशुल्क दिव्यांग शिविर में कांकेर जिले के 277 दिव्यांग हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। इनमें 97 हितग्राहियों को कृत्रिम अंग तथा 180 हितग्राहियों को विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। कृत्रिम हाथ 38, कृत्रिम पैर 59, बैसाखी 64, श्रवण यंत्र 55, छड़ी 43, कैलिपर्स 2, वॉकर 3, वॉकिंग स्टिक 5, चश्मा 6 एवं जूता सहित अन्य सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

दिव्यांगजनों की सुविधा का रखा गया विशेष ध्यान

जिला प्रशासन द्वारा हितग्राहियों को जगदलपुर ले-जाने और वापस लाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है। यात्रा के दौरान दिव्यांगजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वाहनों में व्हीलचेयर सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक वाहन में दिव्यांग हितग्राहियों की सहायता के लिए सहायक भी नियुक्त किए गए हैं।

यात्रा के दौरान भोजन, पानी एवं आवश्यक सहयोग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि दिव्यांग हितग्राही आराम से शिविर स्थल तक पहुंच सकें। वाहन में चढ़ने-उतरने, व्हीलचेयर के उपयोग तथा अन्य जरूरतों के लिए भी सहयोगी कर्मचारी मौजूद रहेंगे।विधायक श्री आशाराम नेताम ने कहा कि दिव्यांगजनों की सेवा और उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन द्वारा इस तरह की पहल के माध्यम से दिव्यांगजनों को उनके गांव और जिले से बाहर जाकर सुविधा प्राप्त करने में सहयोग देना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे, यही सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य है।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने कहा कि दिव्यांगजनों की सेवा का यह अवसर जिला प्रशासन के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि हितग्राहियों को शिविर तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बस्तर में पहली बार राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन, 8 और 9 अक्टूबर को जगदलपुर में जुटेंगे देशभर के वरिष्ठ अधिकारी

एम-पैक्स समितियों के गठन, डिजिटल सेवाओं, भंडारण और सहकारी बैंकिंग पर होगा मंथन

उर्वरक वितरण और बहुराज्यीय सहकारिता पर भी चर्चा, छत्तीसगढ़ साझा करेगा अपनी उपलब्धियां

एक सत बुलेटिन ➤ जगदलपुर,

बस्तर में पहली बार राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा 8 और 9 अक्टूबर को जगदलपुर में आयोजित सम्मेलन में देशभर के वरिष्ठ अधिकारी 'सहकार से समृद्धि' की कार्ययोजना पर मंथन करेंगे। सम्मेलन भारत सरकार के सहकारिता विभाग के सचिव श्री आशीष कुमार भूटानी की अध्यक्षता में होगा। इसमें अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री पंकज बंसल तथा भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव श्री सिद्धार्थ जैन भी शामिल होंगे।

सम्मेलन में मल्टीपर्पस प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (एम-पैक्स) और दुग्ध समितियों के गठन, एम-पैक्स कंप्यूटरीकरण, सहकारिता में डिजिटल तकनीक के उपयोग, भंडारण क्षमता के विस्तार और सहकारी बैंकिंग के सशक्तिकरण पर विशेष चर्चा होगी। एम-पैक्स से उर्वरक वितरण और बहुराज्यीय सहकारी संस्थाओं से समन्वय पर भी विचार कर अगले तीन महीनों की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। छत्तीसगढ़ के सहकारिता सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना ने बताया कि सम्मेलन में 15 राज्यों के सचिव और 14 राज्यों के सहकारी समितियों के पंजीयक भाग लेंगे। सम्मेलन में सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों की आय और स्थानीय रोजगार को मजबूती देने पर जोर रहेगा।

पहले दिन सहकारिता मंत्रालय की प्रमुख पहलों की समीक्षा की जाएगी। विभिन्न राज्य एम-पैक्स व दुग्ध समितियों के गठन, सदस्यता विस्तार, डिजिटल सेवाओं और ऋण उपलब्धता के अनुभव साझा करेंगे। विश्व की सबसे बड़ी विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना, कारोबार के विविधीकरण तथा प्राथमिक समितियों को राष्ट्रीय निर्यात, जैविक और बीज सहकारी संस्थाओं से जोड़ने पर भी चर्चा होगी। दूसरे दिन नाबार्ड और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम आगामी पांच वर्षों के वित्तीय सहयोग तथा राज्यवार लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। एम-पैक्स से उर्वरक व अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता और जिला स्तर के सफल सहकारी मॉडल साझा किए जाएंगे। अधिकारी बस्तर की एम-पैक्स, लघु वनोपज और जनजातीय सहकारी समितियों का भ्रमण भी करेंगे।

नई समितियों और डिजिटल सेवाओं से बढ़ी पहुंच

सचिव डॉ. प्रसन्ना ने बताया कि 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में 515 नए एम-पैक्स, 356 मत्स्य, 364 दुग्ध, 153 लघु वनोपज और 63 महिला बहुउद्देशीय सहकारी समितियां गठित की गई हैं। 'सहकारिताओं में सहकार' अभियान के तहत जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में 3.18 लाख नए कृषकों के खाते खोले गए हैं। एम-पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में परिवर्तित किया गया है। राज्य के 2,058 एम-पैक्स में उपलब्ध माइक्रो एटीएम से अब तक 324 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन हुए हैं।

गोदाम निर्माण से बढ़ रही भंडारण क्षमता

राज्य में एम-पैक्स के लिए 200 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम बनाए जा रहे हैं। आरआईडीएफ योजना 2022 के तहत 725 एम-पैक्स में गोदामों का निर्माण किया गया है। वर्ष 2025 में जर्जर गोदाम वाले अथवा गोदाम विहीन 100 एम-पैक्स में गोदाम निर्माण की योजना स्वीकृत कर निर्माण एजेंसियां चयनित की गई हैं। नवगठित 515 एम-पैक्स में भी गोदाम निर्माण प्रस्तावित है। विश्व की सबसे बड़ी विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना के तहत राज्य के 46 एम-पैक्स चयनित हैं। इनमें 20 के लिए ऋण स्वीकृत हो चुका है, नौ को एएमआई सब्सिडी मिली है और छह में निर्माण शुरू हो गया है।

राष्ट्रीय संस्थाओं से जुड़ाव राज्य शासन ने उपार्जन के लिए एनसीसीएफ को 14 और नाफेड को 15 जिलों में एजेंसी नियुक्त किया है। एनसीसीएफ में राज्य के 2,058 और नाफेड में 412 एम-पैक्स का पंजीयन हुआ है।

महिला टॉयलेट जैसी संवेदनशील जगह से जुड़ी इस शिकायत पर पुलिस की तफ्तीश जारी है

निजी होटल के महिला टॉयलेट में स्पाई कैमरा, दुर्ग पुलिस की जांच जारी

एक सत बुलेटिन ➤ दुर्ग

स्टील सिटी दुर्ग भिलाई से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के एक निजी होटल में उस वक्त हड़कंप मच गया। जब एक महिला ने महिला शौचालय में स्पाई कैमरा लगे होने की बात कही। होटल में खाना खाने पहुंची एक महिला को बाथरूम में कुछ संदिग्ध नजर आया। महिला को शक हुआ तो उसने इसकी जानकारी होटल प्रबंधन को दी, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

जांच में नहीं मिला कोई कैमरा ?

महिला ने डायल 112 से सूचना दी। जिसके बाद भिलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला टॉयलेट समेत होटल के संबंधित हिस्सों की



तलाशी ली। पुलिस की शुरुआती जांच में मौके से किसी भी तरह का कैमरा बरामद नहीं हुआ है। इसके बावजूद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए होटल में मौजूद लोगों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए हैं।भिलाई नगर थाना क्षेत्र में 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली थी कि एक होटल के महिला टॉयलेट में कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली, लेकिन कोई कैमरा नहीं मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी संबंधित लोगों के कथन लिए जा रहे हैं और होटल प्रबंधन से सभी कर्मचारियों की सूची भी मांगी गई है। फिलहाल पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है- मणिशंकर चंद्रा, एएसपी, दुर्ग

दुर्ग पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इसमें होटल के किसी कर्मचारी की भूमिका तो नहीं है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद इस केस में कुछ भी स्पष्ट हो सकेगा। जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। महिला टॉयलेट जैसी संवेदनशील जगह से जुड़ी इस शिकायत पर पुलिस की तफ्तीश जारी है।

नई शुरुआत

विमानन संचालनालय ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत यह कड़ी कार्रवाई कंपनी के खिलाफ की है

ओरिएंटल इंश्योरेंस 3 साल के लिए ब्लैकलिस्ट, सरकारी हेलीकॉप्टर के बीमा दावे में देरी पड़ी भारी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के शासकीय हेलीकॉप्टर के बीमा दावे के निपटारे में 4 साल से अधिक की देरी पर साय सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शासन ने द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 3 साल के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। विमानन संचालनालय ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत यह कड़ी कार्रवाई द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के खिलाफ की है।

ओरिएंटल इंश्योरेंस 3 साल के लिए ब्लैकलिस्ट

दरअसल, पूरा मामला मई 2022 में रायपुर एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हुए राज्य शासन के हेलीकॉप्टर से जुड़ा हुआ है। हेलीकॉप्टर का बीमा ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से कराया गया था और निर्धारित बीमा प्रीमियम का पूरा भुगतान किया गया था।



4 साल बाद अगस्त 2026 में खारिज हुआ दावा

हादसे के बाद राज्य सरकार ने बीमा दावा प्रस्तुत किया था। शासन के मुताबिक, कंपनी ने दावे को 4 साल से अधिक समय तक लंबित किए रखा। अगस्त 2026 में इस दावे को फिर अस्वीकार कर दिया।

जांच में सामने आई दावे के निपटारे में देरी

विमानन संचालनालय ने पूरे प्रकरण का परीक्षण किया, इसमें सार्वजनिक संपत्ति से जुड़े बीमा दावे के निपटारे में हुई देरी को गंभीरता से लिया गया। सरकार ने मामले को राज्य के वित्तीय हितों से जुड़ा विषय माना।

ब्लैकलिस्ट से पहले कंपनी को दिया गया नोटिस

कार्रवाई से पहले द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को शासन की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कंपनी ने अपना लिखित जवाब दिया और उसे व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर भी प्रदान किया गया।

कंपनी का पक्ष सुनने के बाद जारी हुआ आदेश

कंपनी के जवाब, उपलब्ध तथ्यों और अभिलेखों के परीक्षण के बाद विमानन संचालनालय ने कारणों सहित आदेश जारी किया। इसके बाद कंपनी को 3 वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट करने का फैसला किया गया।

सार्वजनिक धन से जुड़े मामलों में देरी पर सख्त रुख

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक संपत्ति और जनता के पैसे से जुड़े दावों के निपटारे में अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं है। शासन के साथ काम करने वाली सेवा प्रदाता संस्थाओं को अपनी संविदात्मक जिम्मेदारियों का समयबद्ध पालन करना होगा।

वैभव सूर्यवंशी रणजी के शुरुआती 2 राउंड में नहीं खेलेंगे



बिहार टीम का ऐलान; आशुतोष अमन नए हेड कोच, साकिबुल गनी कप्तान

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी रणजी ट्रॉफी के शुरुआती दो राउंड में बिहार के लिए नहीं खेलेंगे। बृहस्पति की ओर से नियुक्त चयन समिति ने 2026-27 रणजी सीजन के शुरुआती दो राउंड के लिए बिहार की 17 सदस्यीय टीम चुनी है, जिसमें सूर्यवंशी का नाम नहीं है।बिहार अपने रणजी अभियान की शुरुआत 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के खिलाफ राजगीर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में करेगा। टीम की कप्तानी साकिबुल गनी को सौंपी गई है, जबकि हिमांशु सिंह उपकप्तान होंगे।

वैभव न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में शामिल

वैभव को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 सीरीज 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेली जाएगी। बिहार को रणजी में पहला मुकाबला 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेलना है। ऐसे में शुरुआती दो राउंड के दौरान वैभव भारतीय टीम की तैयारी और न्यूजीलैंड दौरे में व्यस्त रहेंगे।पूर्व बिहार कप्तान आशुतोष अमन को टीम का नया हेड कोच बनाया गया है। अशोक कुमार उनके असिस्टेंट कोच होंगे। दोनों ने विनायक सामंत और कुमार मृदुल की जगह ली है।शुतोष अमन बिहार के लिए लंबे समय तक क्रिकेट खेल चुके हैं और कप्तानी भी कर चुके हैं। अब उन्हें टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी दी गई है।आशुतोष अमन ने 2018-19 रणजी ट्रॉफी में 68 विकेट लिए थे।

ट्रॉफी को चूमकर खुशी का इजहार किया



चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में सर्बिया के स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने पुरुष एकल फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स मिनौर को हराया और खिताब अपने नाम किया. जीत के बाद जोकोविच ने ट्रॉफी को चूमकर खुशी का इजहार किया।

टीम इंडिया की सिलेक्शन प्रोसेस में लक्ष्मण शामिल होंगे



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण अब सीनियर सिलेक्शन कमेटी की हर बैठक में शामिल होंगे। यह फैसला मुंबई में हुई BCCI की समीक्षा बैठक में लिया गया।

BCCI सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा, 'लक्ष्मण अब हर सिलेक्शन मीटिंग में रहेंगे। वे खिलाड़ियों की इंजरी या रिहैब की तुरंत जानकारी देंगे, ताकि चयनकर्ताओं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के बीच कोई कम्युनिकेशन गैप न रहे।'

यह पहला मौका है जब भारतीय क्रिकेट टीम के सिलेक्शन मीटिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रमुख का रहना अनिवार्य किया गया है। लक्ष्मण ने हाल में गुवाहाटी में हुई टी-20 और इंडिया ए की चयन बैठक में हिस्सा लिया था।भारतीय टीम की पिछली 6 सीरीज में 7 ऐसे क्रिकेटरों का चयन हुआ, जो मैच खेलने के लिए फिट नहीं थे।याटी-20 बॉलर्स की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह की टॉप-10 में वापसी हो गई है। उन्हें 3 स्थान का फायदा मिला है। अफगानिस्तान के राशिद खान पाकिस्तान के अबरार अहमद को पीछे छोड़कर नंबर-1 बॉलर बन गए हैं।

भारत के अक्षर पटेल ने भी 16 पायदान की छलांग लगाई है। वे 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के नसुम अहमद 8वें और मेहदी हसन 9वें नंबर पर हैं।

श्रेयस अय्यर के अलावा ईशान किशन पहले, अभिषेक शर्मा दूसरे और तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं।

टी-20 के टॉप-10 बल्लेबाजों में 4 भारतीय:श्रेयस अय्यर को 18 स्थान का फायदा, ईशान नंबर-1 पर बरकरार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने हृष्ट्ठ रैंकिंग में 18 स्थान की छलांग लगाई है। वे करियर में पहली बार टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में टॉप-10 में आए हैं। वे 7वें स्थान पर आ गए हैं।अय्यर ने मंगलवार रात को वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 102 रन की शतकीय पारी खेली। इसका फायदा उन्हें बुधवार को जारी रैंकिंग में मिला।अब टॉप-10 बैटर्स में 4 भारतीय शामिल हैं। श्रेयस अय्यर के अलावा ईशान किशन पहले, अभिषेक शर्मा दूसरे और तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं।

बुमराह की टॉप-10 में वापसी, राशिद नंबर-1 बॉलर



टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह की टॉप-10 में वापसी हो गई है। उन्हें 3 स्थान का फायदा मिला है। अफगानिस्तान के राशिद खान पाकिस्तान के अबरार अहमद को पीछे छोड़कर नंबर-1 बॉलर बन गए हैं।

भारत के अक्षर पटेल ने भी 16 पायदान की छलांग लगाई है। वे 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के नसुम अहमद 8वें और मेहदी हसन 9वें नंबर पर हैं।

हार्दिक पंड्या को एक स्थान का नुकसान

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी-20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 8वें स्थान पर हैं। वे टॉप-10 में शामिल इकलौते भारतीय हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा नंबर-1 पर हैं।

व्यापार

दुनिया तांबे के पीछे, ज्यादा पैसे देने को तैयार!

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



भारत में कॉपर की कीमत अगस्त में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। ग्लोबल स्तर पर बढ़ती मांग और सीमित सप्लाई के बीच कॉपर बाजार में दबाव बढ़ रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और ढ्ढ डेटा सेंटर जैसे सेक्टर इसकी खपत बढ़ा रहे हैं।भारत में तांबे की कीमत अगस्त 2026 में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। 17 अगस्त को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि। (स्रष्ठङ्क) पर कॉपर कॉन्ट्रैक्ट भी लगभग इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में सिर्फ कीमत ही नहीं बढ़ी है, बल्कि तुरंत सप्लाई हासिल करने के लिए खरीदारों को प्रीमियम भी चुकाना पड़ रहा है।कॉपर की कीमतों में तेजी के पीछे ग्लोबल डिमांड और सप्लाई के बीच बढ़ता अंतर बड़ी वजह माना जा रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से लंदन मेटल एक्सचेंज के करीब बनी हुई हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा·

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे, 30 सितंबर को कंपनी के बोर्ड से हटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक की पूर्व लीड स्पेशलिस्ट और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. शबनम सिन्हा 1 अक्टूबर 2026 से बैंक की नई चेयरपर्सन के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे।डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब ?38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह ढ्ढरु स्रस्र एजुकेशन की



ष्टश्वह्र रह चुकी हैं और स्रढ्ढष्ठ व ह्यष्टश्वत्रस्र के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं। फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं।शबनम सिन्हा बोली- जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात

डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है,।

राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

मेटा पर भारी जुर्माने का संकट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मेटा अब एक नए कोर्ट केस का सामना करने जा रही है, जहां जहां उसके ऊपर कई गंभीर आरोप लगे हैं. प्लेटफॉर्म पर आरोप हैं कि उसकी वजह से लोगों को सोशल मीडिया की लत लग रही है और उसके ऐप्स कई तरह के नुकसान पहुंचा जा रहे हैं।

साथ ही उसके ऐप्स की वजह से बच्चों की मेंटल हेल्थ भी प्रभावित हो रही है, जिसके कारण कंपनी को दर्जनों केस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी को 1।4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 133।92 लाख करोड़ रुपये) के जुर्माने तक भरना पड़ सकता है।

नए मामले की सुनवाई मंगलवार को कैलिफोर्निया के ओकलैंड स्थित संघीय अदालत में शुरू की जाएगी। बीते सप्ताह मेटा ने इस मामले को खारिज कराने की मांग की थी, लेकिन कंपनी की अर्जी को कंपनी ने स्वीकार नहीं किया।



सीईओ मार्क जकरबर्ग को पड़ेगा पेश

इस केस के दौरान मेटा के टॉप ऑफिसर्स और कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग तक की सुनवाई हो सकती है। साथ ही कंपनी पर बहुत मोटा जुर्माना तक लगाया जा सकता है। राज्यों ने मेटा पर आरोप लगाया था कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर्स को तैयार किया है, जो असल में यूजर्स को उसके प्लेटफॉर्म का आदि बनाते हैं।

2023 में मेटा के खिलाफ दायर केस से कनेक्ट हैं

यह मामला साल 2023 में कई अमेरिकी राज्यों की ओर से मेटा के खिलाफ दायर किए गए केस से कनेक्टेड है। यह कार्रवाई कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर कई राज्यों की जांच के बाद हुई, जिसके बाद जांच में बच्चों और किशोरों को होने वाले गंभीर नुकसान सामने आए थे। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी है।

मेटा के खिलाफ आरोप सुनेंगें

सुनवाई के दौरान जज यवोन गोंजालेज रोजर्स कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के आरोपों को सुनेंगे, जिसमें मेटा पर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि मेटा ने अपने ऐप्स की सुरक्षा को लेकर जानबूझकर गुमराह किया और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया।

चार राज्यों समेत कुल 29 राज्य मेटा पर चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था ।

विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड



विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है. मारुति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि विदेशों में एक्सपोर्ट के लिए भी कई कारें बनाती है। ऐसी ही एक कार मारुति सुजुकी फॉन्क्स है, जो काफी ज्यादा एक्सपोर्ट हो रही है। इस कार की 2 लाख यूनिट्स को भारत से बाहर एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इस आंकड़े तक यानी 2 लाख एक्सपोर्ट तक मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स सबसे तेजी से पहुंची है। कॉम्पैक्ट एसयूवी को यहां तक पहुंचने में 38 महीनों का वक्त लगा है। फ्रॉन्क्स का एक्सपोर्ट जून 2023 में शुरू हुआ। फिलहाल इस मेड इन इंडिया एसयूवी को 90 देशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। मारुति इस कार की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के हंसलपुर प्लांट में करती है।



पर्यटन का समन्वित विकास

अचानक या चौबीस घंटे पर्यटन के लिए हम कितना तैयार हैं, यह बरसात के बाद दो से चार अक्तूबर के बीच आए सैलानियों की संख्या व वाहनों की कतार से दर्ज हो रहा है। बेशक बढ़ता पर्यटन राहत देता है, क्योंकि राज्य में इस समय सबसे अधिक निजी निवेश इसी उद्योग में हो रहा है। यह एकतरफा निवेश है, जहां पर्यटन के नाम पर होटल व रेस्तरां तो निर्मित हो रहे हैं, लेकिन पर्यटक स्थलों की अधोसंरचना, सडक़ों का रखरखाव, वाहनों के लिए माकूल पार्किंग, सफाई तथा नागरिक सुविधाओं में विस्तार नहीं हो पा रहा है। नतीजतन जब अचानक लंबा सप्ताहांत, त्योहार या छुट्टियां आ जाती हैं, तो पर्यटक स्थल जाम में फंस जाते हैं। दो से चार अक्तूबर के सेलिब्रेशन में पर्यटन का जखीरा बिखर जाता है। अकेले शिमला में ही एक लाख के करीब वाहन या पूरे हिमाचल में निजी वोल्वो तथा पर्यटक बसों की तादाद अगर 500 से अधिक तक पहुंच जाती है, तो ऐसे वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनाने होंगे। मनाली की तर्ज पर शिमला, धर्मशाला, बीड़-बिलिंग व कुछ अन्य डेस्टिनेशन पर पर्यटक तथा निजी वोल्वो बसों के बस स्टैंड व सुविधा केंद्र विकसित करने चाहिएं। ट्रैफिक जाम व्यवस्थागत प्रश्न भी है और इसके समाधान के लिए पुलिस पेट्रोलिंग के अलावा पूरे प्रदेश के पर्यटन मानचित्र का संचालन ऐप के जरिए करना होगा। तमाम प्रवेश द्वारों पर ही पर्यटकों का पंजीकरण करके इन्हें ऐप के जरिए अपनी यात्रा, सुविधाओं, सुरक्षा तथा सहायता की गारंटी मिलनी चाहिए। आश्चर्य तब होता है जब हम पर्यटक को शौचालय तक मुहैया नहीं करवा पाते। ट्रैकिंग स्थलों पर सुरक्षा, पेयजल तथा टॉयलट का प्रबंध करना होगा। अचानक और 24 घंटे के पर्यटन के लिए तैयारी का आलम यह कि भारी भीड़ में हमारे गंतव्य दब जाते हैं। आकर्षण या मनोरंजन के विकल्प मिट जाते हैं। रह जाती हैं यादें उस कठिन दौर या अव्यवस्था की, जो परिवहन से शुरू होकर सुकून तक परेशान होती हैं।

(एक नजर)

9 या 10 अक्टूबर, कब है सर्वपितृ अमावस्या?

पितृ पक्ष में आने वाली सर्वपितृ अमावस्या का विशेष महत्व माना जाता है। यह पितृ पक्ष का अंतिम दिन होता है और इस दिन उन सभी पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जाता है, जिनकी मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है या जिनका श्राद्ध किसी कारण से निर्धारित तिथि पर नहीं हो पाया। 2026 में सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर, शनिवार को मनाई जाएगी। अमावस्या तिथि 9 अक्टूबर की रात करीब 9 बजकर 35 मिनट से शुरू होकर 10 अक्टूबर की रात 9 बजकर 19 मिनट तक रहेगी। इसलिए श्राद्ध कर्म के लिए 10 अक्टूबर की तिथि महत्वपूर्ण रहेगी।सर्वपितृ अमावस्या को महालय अमावस्या भी कहा जाता है। यह पितृ पक्ष के समापन का दिन है। धार्मिक परंपरा में इसे उन पितरों के लिए विशेष माना गया है, जिनकी श्राद्ध तिथि याद नहीं है या जिनका श्राद्ध किसी कारण से छूट गया हो। धार्मिक पंचांग परंपरा के अनुसार, अगर किसी पूर्वज की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है या उस तिथि पर श्राद्ध नहीं किया ।

विचार

मोदी जी ने प्रदेश को हमेशा दूसरा घर माना

प्रो. सतपाल

अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश भाजपा

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शासन से सेवा में 7 अक्तूबर को 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। 12 वर्ष गुजरात के मुख्यमंत्री के नाते व 13 वर्ष देश के प्रधानमंत्री के नाते मोदी जी ने अपने हर कार्य को सेवा के साथ जोड़ा और सत्ता को सेवा का मार्ग बनाया। हिमाचल की आर्थिक कठिनाइयों में सबसे बड़ा योगदान मोदी जी ने दिया है। हिमाचल प्रदेश को केंद्रीय योजनाओं में विशेष दर्जा देने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया। वर्ष 2016 में मोदी सरकार ने केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं में हिमाचल प्रदेश का 10 प्रतिशत और केंद्र का 90 प्रतिशत व्यय करने का प्रावधान किया, जिससे विगत 11 वर्षों में हजारों करोड़ रुपए का लाभ हिमाचल प्रदेश को हुआ है और निरंतर हो रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और पीएम सूर्य घर योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं का लाभ हिमाचल के लाखों परिवारों तक पहुंचा है। हिमाचल के जनमानस को केवल विश्वास है तो मोदी जी पर ही है, मोदी जी हिमाचल का विकास करवाएंगे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शासन से सेवा में 7 अक्तूबर को 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। 12 वर्ष गुजरात के मुख्यमंत्री के नाते व 13 वर्ष देश के प्रधानमंत्री के नाते मोदी जी ने अपने हर कार्य को सेवा के साथ जोड़ा और सत्ता को सेवा का मार्ग बनाया। हिमाचल की आर्थिक कठिनाइयों में सबसे बड़ा योगदान मोदी जी ने दिया है। हिमाचल प्रदेश को केंद्रीय योजनाओं में विशेष दर्जा देने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया। वर्ष 2016 में मोदी सरकार ने केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं में हिमाचल प्रदेश का 10 प्रतिशत और केंद्र का 90 प्रतिशत व्यय करने का प्रावधान किया, जिससे विगत 11 वर्षों में हजारों करोड़ रुपए का लाभ हिमाचल प्रदेश को हुआ है और निरंतर हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमेशा हिमाचल प्रदेश को अपना दूसरा घर माना है। संघ प्रचारक के रूप में हिमाचल में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने यहां के लोगों को करीब से देखा, उनकी भावनाओं को समझा और पहाड़ों में रहने वाले लोगों की आवश्यकताओं को अनुभव किया। हिमाचल के प्रति यही आत्मीयता और वर्षों का अनुभव आज उनके निर्णयों में दिखाई देता है। हिमाचल के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता बेहतर कनेक्टिविटी है।मटौर से मंडी फोरलेन, कैथलीघाट से ढली फोरलेन, कीरतपुर-मनाली फोरलेन, परवाणू-सोलन-कैथलीघाट फोरलेन और पठानकोट-मंडी फोरलेन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं ने प्रदेश की सडक़ कनेक्टिविटी को नई



दिशा दी है। यह सब नरेन्द्र मोदी जी की देन है। रोहतांग अटल टनल के निर्माण से देश की सुरक्षा मजबूत हुई और चीन सीमा तक 12 मासी सडक़ों का निर्माण हुआ। इसी प्रकार लेह-लद्दाख के लिए भी महत्वपूर्ण टनल का निर्माण किया जा रहा है। इससे सामरिक दृष्टि से मजबूती मिलेगी और पर्यटन को भी भरपूर बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना सहित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं ने गांवों तक सडक़ संपर्क पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नरेन्द्र मोदी सरकार में स्वास्थ्य सेवाओं की बात करें तो एम्स बिलासपुर हिमाचल की स्वास्थ्य व्यवस्था में एक बड़ा परिवर्तन है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का प्रदेश में उपलब्ध होना उन परिवारों के लिए बड़ी राहत है जिन्हें गंभीर उपचार के लिए पहले प्रदेश से बाहर जाना पड़ता था। इसी प्रकार नाहन मेडिकल कॉलेज, हमीरपुर मेडिकल कॉलेज और चंबा मेडिकल कॉलेज के लिए 750 करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध करवाना भी विशेष उपलब्धि है। इसके अलावा आयुष्मान भारत और हिमकेयर के माध्यम से हर घर में निःशुल्क उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। बल्क ड्रग पार्क ऊना और मेडिकल डिवाइस पार्क नालागढ़ जैसी परियोजनाएं स्वास्थ्य के साथ-साथ उद्योग और रोजगार के नए अवसरों की संभावनाएं भी लेकर आई हैं। किसी भी प्रदेश का भविष्य उसके युवाओं से तय होता है। आईआईएम सिरमौर और आईआईआईटी ऊना जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों ने हिमाचल के युवाओं के लिए शिक्षा, तकनीक, अनुसंधान और प्रबंधन के नए द्वार खोले हैं। यह केवल संस्थानों का निर्माण नहीं है, बल्कि हिमाचल के युवाओं को अपने ही प्रदेश में बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का अवसर देना है।

विचार

देश में मोदी लहर शुरू हो चुकी है

- प्रह्लाद सबनानी

लेखक

5 वर्षों में अर्जित जनविश्वास और अनुभव ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और यह पूंजी देश की जनता की है। जनता-जनार्दन ईश्वर का स्वरूप है और देश के प्रत्येक नागरिक का उन पर अधिकार है। मां भारती की निस्वार्थ सेवा ही उनका धर्म और कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि जीवन की प्रत्येक घटना से उन्होंने कुछ न कुछ सीखा है और हर चुनौती ने उनके धैर्य एवं संकल्प को और मजबूत किया है। साधन और संसाधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन सपने और हौसले हमेशा बड़े होने चाहिए। कर्म को कर्तव्य और साधना बताते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के प्रयास कभी रुकने नहीं चाहिए।प्रधानमंत्री ने देश के विकास में स्वयंसेवकों और युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को नई बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए जोश, जज्बा और सामूहिक संकल्प आवश्यक है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की बढ़ती ताकत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिभा और सामर्थ्य की चर्चा आज पूरी दुनिया में हो रही है। वह दिन दूर नहीं, जब 'मेक इन इंडिया' की गूंज पूरी दुनिया में और अधिक मजबूती से सुनाई देगी।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक शक्ति और अदम्य इच्छाशक्ति पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र जरूर बनेगा।

नरेंद्र मोदी के 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जीपीएम जिले के पेंड्रा के कृषि उपज मंडी प्रांगण पतगवां में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने उपस्थित जनसमुदाय को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया और सेवा ज्योति यात्रा को रवाना किया। सरकार और भारतीय जनता पार्टी के लिए आज का दिन स्वाभाविक रूप से उपलब्धियों को गिनाने का दिन है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नरेंद्र मोदी के पच्चीस वर्ष के शासन को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए उनके गुजरात के मुख्यमंत्रित्व और केंद्र की तीन लगातार सरकारों को सार्वजनिक विश्वास का प्रमाण बताया है।

आज जब नरेंद्र मोदी सरकार के मुखिया के रूप में लगातार पच्चीस साल पूरे कर रहे हैं, तब भारतीय राजनीति की एक बेहद दिलचस्प और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने आ रही है। सात अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सरकार की कमान संभालने वाले नरेंद्र मोदी ने पहले गुजरात और फिर देश की सत्ता का नेतृत्व करते हुए बिना किसी अंतराल के पच्चीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह अपने आप में भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की असाधारण राजनीतिक यात्रा है। इस अवसर पर सत्ता पक्ष इसे नेतृत्व, सेवा, विकास और निरंतर जनविश्वास की उपलब्धि के रूप में देख रहा है, तो दूसरी ओर विपक्ष ठीक इसी समय चुनावी संस्थाओं की विश्वसनीयता, मतदाता सूची और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सरकार और चुनाव आयोग को घेर रहा है। यानी नरेंद्र मोदी की राजनीतिक यात्रा के पच्चीसवें वर्ष का यह पड़ाव उस समय आया है जब सत्ता के सामने सबसे बड़ा सवाल शायद विपक्ष की ताकत का नहीं, बल्कि संस्थाओं और जनविश्वास का है। देखा जाये तो सरकार और भारतीय जनता पार्टी के लिए आज का दिन स्वाभाविक रूप से उपलब्धियों को गिनाने का दिन है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नरेंद्र मोदी के पच्चीस वर्ष के शासन को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए उनके गुजरात के मुख्यमंत्रित्व और केंद्र की तीन लगातार सरकारों को सार्वजनिक विश्वास का प्रमाण बताया है। सरकार की ओर से कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल व्यवस्था, आर्थिक सुधार, राष्ट्रीय



सुरक्षा, विदेश नीति और तकनीकी उपलब्धियों को इस लंबे सफर की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भी इस अवसर को सेवा और राष्ट्रहित के भाव से जोड़ा है।लेकिन राजनीति सिर्फ उपलब्धियों की सूची से नहीं चलती। देश की राजनीति का दूसरा चेहरा भी उतनी ही ताकत से दिखाई दे रहा है। छह अक्टूबर को राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में प्रदर्शन किया। संसद से चुनाव आयोग की ओर बढ़ते विपक्षी सांसदों को पुलिस ने रोका, जिसके बाद धरना, हिरासत और राजनीतिक टकराव की तस्वीरें सामने आईं। राहुल गांधी का बैरिकेड पर चढ़ना और ÷ज्ञानेश, इट्स डन ब्रो÷ जैसी युवा शैली की भाषा सोशल मीडिया पर तेजी से फैली। इस पूरे घटनाक्रम ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विवाद को अचानक देश की राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया।विपक्ष इस पूरे विवाद को केवल मतदाता सूची की तकनीकी प्रक्रिया नहीं मान रहा। उसके लिए यह लोकतंत्र, मताधिकार और चुनावी निष्पक्षता का सवाल है। कांग्रेस और उसके सहयोगी आरोप लगा रहे हैं कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने से नागरिकों के मतदान अधिकार पर असर पड़ सकता है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है और इस पूरे मामले को व्यापक राजनीतिक आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रहा है। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि कांग्रेस लगातार चुनाव हारने के बाद चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा कर रही है और उसे अपनी राजनीतिक कमजोरी का जिम्मेदार संस्थाओं को बनाने के बजाय जनता का विश्वास जीतने की कोशिश करनी चाहिए। भाजपा का यह भी सवाल है कि जिस चुनावी व्यवस्था के माध्यम से विपक्ष कई राज्यों में जीत हासिल करता रहा, उसी व्यवस्था को अपनी हार के बाद अविश्वसनीय कैसे कहा जा सकता है।यहीं से इस समय की राजनीति का सबसे बड़ा द्वंद्व सामने आता है। विपक्ष का सवाल है कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न उठे तो लोकतंत्र कैसे सुरक्षित रहेगा? सत्ता पक्ष का सवाल है कि बिना निर्णायक प्रमाण के चुनावी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करने से क्या लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा ही कमजोर नहीं होगा? दोनों पक्ष अपने-अपने तर्क रख रहे हैं, लेकिन एक तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर बहस अब महज विपक्षी भाषण नहीं रह गई है। हालांकि इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि विपक्ष के सारे आरोप सिद्ध हो चुके हैं। चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठना एक बात है और ÷चुनाव चोरी सिद्ध हो जाना÷ दूसरी बात है।शायद यही वह बिंदु है जहां से आम जनता और राजनीतिक विमर्श के बीच अंतर दिखाई देता है। रसबसे बड़ा मुद्दा दिखाई दे रहे हैं।

विचार

हम ले के रहेंगे...

कमलेश सिंह,

लेखक

हम आजादी भी चाहते हैं, बराबरी भी, चीन जैसी तरक्की भी और पश्चिम जैसे अधिकार भी, लेकिन इस लंबी लिस्ट में मेहनत, जिम्मेदारी और त्याग कहां हैं? जहां पुरानी पीढ़ी ने मेहनत से देश बनाया, वहीं आज की डिजिटल पीढ़ी रेडिट थ्रेड्स, नारों और रील्स के दम पर व्यवस्था बदलने निकली है। उसके पास विचार कम, नारे ज्यादा और हर दर्द के लिए एक %विक्टिम कार्ड तैयार है।हम कहते हैं हम लेके रहेंगे आजादी, तो आप हमारे नारों को खारिज करते हैं। आप इस बात को खारिज करते हैं कि लोकतंत्र कि चोरी हो गई। आपको लगता है कि स्कूल सुधर गए हैं और चुनाव सुथरे हो रहे हैं क्योंकि आपने इससे बेहतर कुछ देखा ही नहीं है। आप कुएं के मेंढक थे। सोशल मीडिया का शुक्रिया, जिसने सरकारों के झूठ को बेनकाब कर दिया है। दुनिया कहां से कहां चली गई और हम छोटे छोटे सपने लेकर जी रहे हैं। विकसित देशों के पास बेहतर सुविधाएं हैं, पूरा लोकतंत्र है और पूरी आजादी है।हमने फ्रांस से समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के विचार उधार लिए थे कि ये हमें रास्ता दिखाएंगे। लेकिन क्या हमारे पास स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व है? पेरिस को देखिए। वहां के युवाओं सड़कों पर तांडव मचाने,



स्कूलों और कभी-कभार किसी टीचर को आग लगाने, लेटेस्ट 18प्रो फोन लूटने की पूरी आजादी है। जिसको जो उखाड़ना है उखाड़ ले जा रहा है। पुलिस एक तरफ खड़ी रहती है क्योंकि युवा देश का भविष्य हैं। फ्रांस छोड़िए, हमारे पड़ोसियों ने हमें पीछे छोड़ दिया है। कोलंबो में युवा राष्ट्रपति के स्विमिंग पूल में तैरे। हमारी पुलिस अब भी हमें पार्लियामेंट स्ट्रीट से खदेड़ती है क्योंकि वहां के पार्क होटल का स्विमिंग पूल दिख भर जाता है। ढाका के युवा हसीना की साड़ी और बत्तखें उठाकर घर ले गए। काठमांडू ने अपनी संसद को माचिस लगा कर दीवाली मनाई। हमने वीडियो फॉरवर्ड किए और वापस रील्स देखने लगे। ऐसा कैसा चलेगा? हमारी महत्वाकांक्षा, हमारी पहल, हमारे दिल की आग का क्या? पुलिस हालांकि सीख रही है। धीरे धीरे। वे अब हर गाली पर भड़कती नहीं है। कभी-कभी, आदत के मारे, लाठियां भांजने के लिए दौड़ पड़ती है। हमें फ्रांसीसी शैली की स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का पूरा पैकेज कब मिलेगा? यह आजादी कोई आजादी नहीं है। तुम्हें देनी पड़ेगी !सिर्फ प्राइवेट यूनिवर्सिटी हैं जहां बरबाद करने को कुछ मौजूद है। वहां अमीर बच्चे पढ़ते हैं। एलपीयू (रक्क) उनमें से एक है। जैसे ही देश के भविष्य ने कुछ गाड़ियों में आग लगाई, देखिए पंजाब पुलिस ने क्या किया। थोड़ी सी आगजनी पर पुलिस भड़क गई। सरकारी कॉलेजों में रखा ही क्या है, सिर्फ कचरा और बाकी खाली। सालों से टीचर लोगों की कुर्सियां खाली पड़ी हैं। आप उस हॉस्टल का क्या ही उखाड़ लेंगे जिसका प्लास्टर उखड़ा है और पंखे एक बार घूमने में घंटा लगा देते हैं। यह तो गुरबत का बंधुत्व है। यह समानता नहीं है। हम लेके रहेंगे !पुराने जमाने के लोग बहुत भोले थे। अन्याय से लड़े ही नहीं। सीधा अपनी जिंदगी बनाने में और देश बनाने में व्यस्त हो गए। घर में कुछ था नहीं कि मांगने पर मिल जाता। हमें अब तक मांगने पर सब कुछ मिलता रहा है। हमने बाइक मांगी, मिल गई। हमने आइफ़ोन मांगा, मिल गया। हम इस्तीफा भी मांग लें तो मिल जाता है। पापा लोग इसके लिए खटते थे क्योंकि उन्हें हक़ के लिए लड़ना नहीं आता था। और इतना खटकर भी क्या कर लिया? फ्रांस जैसा विकसित देश तो नहीं बना पाए ना। और फ्रांस के पास कम से कम फैशन तो है। माता-पिता टाइप लोगों ने तजुर्बे से और एक खास उम्र के बाद ही जरूरी चीजें सीखीं। उन्होंने सफलता का पीछा किया क्योंकि वे भूखे थे। और क्योंकि वे भूखे थे, इसलिए उन्हें राशन कार्ड, पैन कार्ड और किसी न किसी तरह का आईडी कार्ड चाहिए था। उनमें से ज्यादातर के पास तो विक्टिम कार्ड भी नहीं था। उन्होंने पीड़ित होने के बारे में पढ़ा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उसे रट लिया। उनके लिए पीड़ित होना एक सिलेबस मैटर था। हमारे लिए पीड़ित होना एक स्टार्टअप है। उनकी चिंता कट-ऑफ थी। हमारी चिंता फॉलोइंग है। उन्होंने इसे मेमोराइज़ किया। हमने मॉनेटाइज किया। यही असली है बदलाव। मेटा-मॉर्फोसिस। तुम कैसे नहीं दोगे, रिजाइन !उन्होंने इतिहास पढ़ा मार्क्स के लिए। हम ने पढ़ा कार्ल मार्क्स के लिए। देश के भविष्य ने पुराने दौर को वापस जिंदा कर दिया है। और पूरा विक्टिमहुड उन पत्रों से खींच लाए हैं। एक समय था जब शोषित लोग कम थे, और इसकी पहचान सिर्फ कुछ समुदायों तक सीमित थी। अब, सूचना क्रांति को थैंक्स कहिए, हर किसी के पास एक विक्टिम कार्ड है। यहां तक कि तथाकथित ऊंची जातियां भी पक्का वाला विक्टिम कार्ड लेकर घूमती हैं। जो शोषित थे, अनुसूचित थे। अब अनुसूचित द्वारा शोषित होने का विक्टिम कार्ड भी उपलब्ध है। सब शोषक हैं, शोसित भी हैं। सत्ता के सताए लोग सत्ता के पोषित भी हैं। अपना अपना विक्टिम काड।ंआजीवन मान्य, रैलियों में रिन्यू होने वाला, नहीं है तो अगली रैली में बना दिया जाएगा, कोई चड्ढ्ढष्ट की जरूरत नहीं।

हंसी के बादशाह मिस्टर बीन



तुम्हारे प्यारे दोस्त मिस्टर बीन, मिस्टर बीन सिरीज के अलावा फिल्मों में भी सभी का मनोरंजन करते नजर आए। करीब दो दशक से वे हंसी के डोज, टीवी व फिल्मों के माध्यम से बराबर देते आ रहे हैं। अपने चुटीले अंदाज से इन्होंने न सिर्फ तुम बच्चों को, बल्कि बड़ों को भी लोटपोट होने पर मजबूर कर दिया। आओ जानते हैं मिस्टर बीन को कुछ करीब से।

हम जानते हैं कि हंसा-हंसा कर लोटपोट करने वाले मिस्टर बीन तुम्हारे पसंदीदा स्टार हैं। टीवी पर जब तुम देखते हो तो तुम्हें इंतजार रहता है कि कब वह ऐसी हरकतें करें कि हमें जल्दी से हंसने का मौका मिले। शायद यह उन कुछ चुनिंदा टीवी प्रोग्राम्स में शामिल है, जिसे बदलने के लिए कोई नहीं कहता होगा। मिस्टर बीन किसी भी काम को अपनी अक्ल लगाकर करना चाहते हैं। उन्हें दीवार पेंट करनी हो तो वह हमारी-तुम्हारी तरह ब्रश का इस्तेमाल नहीं करेंगे, बल्कि घर के छोटे-बड़े सामान को सबसे पहले कवर करेंगे।

डाइनिंग टेबल पर रखे फलों में अंगूरों तक को कागज में लपेटेंगे। पेंट बकेट में धमाका कर पूरे घर की दीवारों पर पेंट करना चाहेंगे। है ना उनका अपना अनोखा स्टाइल। अपने इसी अनोखे स्टाइल के कारण वे पूरी दुनिया में सबके चहेते हो गए हैं।

कई बार तो वे जानबूझकर कोई शरारत करते हैं, लेकिन कभी कुछ शैतानियां उनसे भोलेपन में हो जाती हैं। अब जैसे वही एपिसोड देख लो, जिसमें वे पार्टी के लिए कुछ दोस्तों को अपने घर निमंत्रण देते हैं। लेकिन ये क्या, किचन में तो कुछ है ही नहीं। वे अपनी गर्दन जब चारों ओर घुमाते हैं तो देखते हैं कि खिड़की से कुछ झाड़ अंदर आ रही हैं। बस फिर क्या, उन्हीं को काटकर वे मेहमानों को परोसना चाहते हैं। दोस्त बेचारे इंतजार में हैं कि कुछ स्वादिष्ट पकवान आएंगे, मगर मिस्टर बीन ने तो झाड़ी से काटकर कुछ बारीक लकड़ियां शहद के साथ उन्हें परोस दीं। मेहमान हैरान कि मिस्टर बीन कैसे मजे लेकर खा रहे हैं। ऐसी एक नहीं, अनगिनत शरारतों से वे हंसी का डोज बराबर देते रहते हैं। दरअसल मिस्टर बीन का नाम है रोवान एटकिंसन।



जुगाड़ करना कोई इनसे सीखे। ये बस चाहते हैं कि अपना काम निकल जाए, फिर उसके लिए उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े। खोई पैंट को ढूंढ़ने के लिए हदें पार करने की बात हो या फिर नादानी की वजह से गार्ड का कायाकल्प करना। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी काम में पूरा जोर लगाने के बाद भी सफल नहीं हो पाते, लेकिन ये तो मिस्टर बीन हैं, जिन्होंने हार मानना



तुम इनकी भोली-भाली सी सूरत को देख ये मत समझना कि मिस्टर बीन कितने सीधे हैं। मिस्टर बीन चोरी और धोखाधड़ी में किसी से कम नहीं हैं। दूसरों के माल को अपना बनाने के लिए कौन-कौन सी कोशिश की जा सकती हैं, अगर यह देखना हो तो मोटरसाइकिल की नाकाम कोशिश वाला एपिसोड देखा जा सकता है। मिस्टर बीन में ढेर सारी खूबियां भी हैं तो कुछ कमजोरियां भी उनकी पर्सनेलिटी में शामिल हैं। दरअसल तुम्हारे प्यारे मिस्टर बीन भावुक बहुत जल्दी हो जाते हैं। कभी-कभी वे किसी बड़ी से बड़ी बात को भी मजाक में लेना खूब जानते हैं। खुद को अपने ही स्टाइल में समझाना भी इन्हें खूब आता है।





टेलीविजन की दुनिया में वर्ष 1990 से 1995 के बीच मिस्टर बीन ने अपने चुटीले अंदाज से बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी खूब हंसाया। इस दौरान उनका किरदार 'द कार फैन' इस शो के सबसे यादगार किरदारों में गिना जाता है। द कार फैन में मिस्टर बीन बड़े आकार का फर्नीचर खरीद लेते हैं। खरीदारी के बाद उन्हें लगता है कि फर्नीचर उनकी मिनी कार में फिट नहीं हो पाएगा। वह आर्म चेयर को मिनी कार की छत पर रख देते हैं। बात यहीं खत्म नहीं हो जाती। हंसी के ठहाके तो तब गूंजते हैं, जब मिस्टर बीन कार के अंदर बैठने के बजाए छत से बंधी आर्म चेयर पर बैठ जाते हैं और वहीं बैठे-बैठे जाले साफ करने वाले डंडे और कुछ चमड़े की पट्टियों से कार चलाते हैं। अंग्रेजी फिल्मों के प्रसिद्ध हास्य अभिनेता रोवान 'मिस्टर बीन' के किरदार को अब हमेशा के लिए अलविदा कह चुके हैं। रोवान ने सबसे पहले इस किरदार को वर्ष 1990 में एक टेलीविजन श्रृंखला में निभाया था और बाद में वर्ष 1997 में वे इस किरदार के साथ एक फिल्म में भी नजर आए थे। रोवान ने फिल्म 'मि. बीन्स हॉलीडे' के बाद इस किरदार को हमेशा के लिए अलविदा कहने का फैसला किया था। इसके निर्माता चाहते हैं कि कुछ बेहतरीन एपिसोड्स को कुछ नए अंदाज में पेश किया जाए। फिलहाल मिस्टर बीन एनिमेटिड सिरीज कई चैनल्स पर आ रही है। उनके मजेदार एपिसोड्स तुम्हें हंसाते रहते हैं। कई नए-पुराने एपिसोड्स की श्रृंखला लगातार कई सालों से चल रही है और इसे हर उम्र के लोग पसंद करते रहे हैं। मिस्टर बीन की सबसे बड़ी खासियत तो तुम्हें पता ही होगी कि वो बोलते कभी-कभी ही हैं...अरे यही बात तो उन्हें सबसे अलग बनाती है ना।

मिस्टर बीन व उनके कुछ साथी

मिस्टर बीन नॉर्थ लंदन के हाइबरी शहर में रहते हैं। वे हमेशा अपनी ट्रेडमार्क बन चुकी खास जैकेट और स्किन रेड टाई में आमतौर पर नजर आते हैं। वे सामान्यत: एक डिजिटल केलकुलेटर वॉच भी पहनना पसंद करते हैं।

मिस्टर बीन शायद ही कुछ बोलते हैं। बस खुद ही बुदबुदाते रहते हैं। टैडी, मिस्टर बीन का सबसे अच्छा साथी है। छोटा सा वह भालू गहरे भूरे रंग का है, जिससे वे बातें भी करते हैं। और उम्मीद भी करते हैं कि वह समझदारी से पेश आए। कई बार वह टूटता-फूटता है, मगर फिर अगले ही एपिसोड में अपने असली रूप में नजर आता है। मिस्टर बीन की वह खास कार भी एक कैरेक्टर के रूप में उभर कर सामने आई।

मिस्टर बीन एक नजर में...

मिस्टर बीन यानी रोवान एटकिन्सन का जन्म 6 जनवरी 1955 को इंग्लैंड में हुआ। उनकी पत्नी सुनेत्रा शेस्त्री व दो बच्चे बेंजमिन व लिली हैं।

1 जनवरी 2010 को मिस्टर बीन ने अपने 20 साल पूरे किए थे। 1 जनवरी 1990 में पहली बार मिस्टर बीन यूके के आई टीवी में नजर आए थे।

1996 में मिस्टर बीन का पहला वीडियो आया, जिसे पेश करने वाले थे, पोलीग्राम वीडियो।

जर्मनी में मेक्डोनल्ड्स ने मिस्टर बीन को वीडियो प्रमोशन के लिए इस्तेमाल किया, जिससे एक महीने एक मिलियन यूनिट की बिक्री हुई।

1997 में आस्ट्रेलिया में बीन : द अलटिमेट डिजास्टर मूवी रिलीज हुई।

दिसम्बर 2001 में द मिस्टर बीन एनिमेटिड सिरीज पूरी हुई। 2004 तक यह यूके में निक पर लॉन्च कर दी गई।

फरवरी 2005 में मिस्टर बीन ने मोबाइल गेम की दुनिया पर भी कब्जा कर लिया।

सबसे पहले मई से अगस्त 2006 के बीच मिस्टर बीन पर बनी फिल्म मिस्टर बीन्स हॉलीडे देखी गई और 2007 आते-आते पूरी दुनिया में रिलीज हो गई।



बौना ग्रह बन गया प्लूटो

दोस्तों, प्लूटो के बारे में तो तुमने सुना ही होगा। यह पहले अपने सौरमंडल का 9वां ग्रह था। लेकिन अब इसे ग्रह नहीं माना जाता। आओ प्लूटो के बारे में जानते हैं...

प्लूटो 2006 तक सौरमंडल का काफी महत्वपूर्ण सदस्य था। इसे 9वें ग्रह का सम्मान प्राप्त था। लेकिन 13 सितम्बर, 2006 को इंटरनेशनल एस्ट्रोनोमिकल एसोसिएशन ने प्लूटो से यह अधिकार छीन लिया। एसोसिएशन ने घोषणा कर दी कि अब प्लूटो ग्रह नहीं है। उन्होंने एक नई श्रेणी भी बनाई, जिसमें इसे बौने ग्रह का नाम देकर डाल दिया गया। तब से प्लूटो को बौना ग्रह कहा जाता है। तुम सोच रहे होगे कि जब यह ग्रह था तो इसे बौने ग्रहों की श्रेणी में क्या डाला? 75 देशों के वैज्ञानिकों ने प्लूटो के बारे में हुए शोध के बाद यह तय किया कि प्लूटो में ग्रह कहलाने वाले गुण नहीं हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि ग्रह वह होता है, जो इतना बड़ा हो कि उसमें गुरुत्वाकर्षण बल पैदा करने की क्षमता हो। वह गोलाकार हो। सूर्य के चक्कर लगाता हो और उसकी कक्षा किसी अन्य ग्रह की कक्षा को काटती न हो। प्लूटो इन शर्तों को पूरा नहीं करता। वह तो बुध का आधा भी नहीं है। तुम जानते होगे कि अभी बुध अपने सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है। प्लूटो सूर्य के चक्कर तो लगाता है, लेकिन कई बार सूर्य से काफी दूर भी चला जाता है और फिर रास्ते पर आ जाता है। वह कई बार नेपच्यून से भी करीब आ जाता है। तुम्हें तो पता ही है कि नेपच्यून अपने सौरमंडल का अंतिम ग्रह है, जो सूर्य से 8वें नम्बर पर है, इसलिए वैज्ञानिकों ने घोषणा की कि प्लूटो ग्रह नहीं है।

प्लूटो को जानो करीब से

प्लूटो का आकार हमारे चंद्रमा का एक तिहाई है। यानी हमारे चंद्रमा के तीसरे हिस्से के बराबर है प्लूटो। इसका व्यास लगभग 2,300 किलोमीटर है। अपनी पृथ्वी तो प्लूटो से लगभग 6 गुना बड़ी है। सूर्य से औसतन 6 अरब किलोमीटर दूर है यह प्लूटो। इस कारण इसे सूर्य का एक चक्कर लगाने में हमारे 248 साल के बराबर समय लग जाता है। यह नाइट्रोजन की बर्फ, पानी की बर्फ और पत्थरों से बना है। इसके वायुमंडल में नाइट्रोजन, मीथेन और कार्बन मोनोक्साइड गैसें हैं। इस कारण यहां का तापमान काफी कम रहता है। शून्य से 200 डिग्री सेल्सियस नीचे यानी -200 डिग्री सेल्सियस रहता है। इससे तुम अंदाजा लगा सकते हो कि यहां कितनी ठंड लगती होगी। इतने कम तापमान में कोई यहां नहीं रह सकता। यहां गैस वाले वातावरण के कारण प्लूटो के भी छल्ले दिखाई देते हैं और यहां का रंग भी बदलता रहता है। वैसे यहां का रंग काले, नारंगी और सफेद रंग का मिश्रण लगता है। प्लूटो की खोज 1930 में हुई थी। अमेरिकी खगोलशास्त्री क्लाइड डब्ल्यू टॉमबॉग ने इसकी खोज की थी। उस समय लगा कि प्लूटो ग्रह है और उसे 9वां ग्रह मान लिया गया। तुम्हें जानकर ताज्जुब होगा कि प्लूटो का नाम एक बच्चे ने रखा है। वैज्ञानिकों ने लोगों से पूछा था कि इस ग्रह का क्या नाम रखा जाए। ऑक्सफोर्ड स्कूल ऑफ लंदन में 11वीं में पढ़ने वाली एक छात्रा वेनेशिया बर्ने ने सुझाव दिया था कि इसका नाम प्लूटो रखा जाए। उस लड़की ने कहा कि रोम देश में अंधेरे के देवता को प्लूटो कहते हैं, इस नए ग्रह पर भी हमेशा अंधेरा रहता है, इसलिए इसका नाम प्लूटो रखा जाए। वैज्ञानिकों को यह बात अच्छी लगी और इसका नाम प्लूटो रख दिया गया। अब तो प्लूटो के चार चंद्रमा भी मिले हैं। हब्बल स्पेस टेलीस्कोप ने पिछले साल ही प्लूटो के चौथे चंद्रमा की खोज की है, जिसका नाम एस है। प्लूटो के बाकी तीन चंद्रमाओं के नाम शैरन, निक्स

विमान में रेस्टोरेंट और थियेटर...

विमान सिर्फ सफर करने के लिए नहीं है, बल्कि इसमें रेस्टोरेंट और थियेटर भी खुलने वाले हैं। इंडोनेशिया के एक व्यापारी ने कबाड़ में पड़े विमान को फिर से विकसित करने की योजना बनाई है। इस विमान में रेस्तरां खोला जाएगा, साथ ही लोग परिवार के साथ फिल्म भी देख सकते हैं। इसमें खाना खाने की और मूवी देखने की कीमत सामान्य से अधिक लगेगी। इसमें वेटर आदि एयरहोस्टेज की ड्रेस में होंगी और उसी तरह एनाउंसमेंट भी की जाएगी। बस फर्क ये होगा कि विमान उड़ान नहीं भरेगा।



न्यूज इन शॉर्ट

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार आज छत्तीसगढ़ नहीं आ रहे

रायपुर- भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का छत्तीसगढ़ दौरा स्थगित हो गया है। उन्हें 7 और 8 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ आना था। उनके दौरे को लेकर राज्य सरकार और प्रशासन ने प्रोटोकॉल की तैयारियां भी शुरू कर दी थीं। अब निर्वाचन आयोग की ओर से नई तारीख मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने लेटर संबंधित विभागों को भेजकर दौरा स्थगित होने की जानकारी दी है। पत्र में बताया गया है कि आयोग ने अपरिहार्य कारणों से मुख्य निर्वाचन आयुक्त का छत्तीसगढ़ प्रवास स्थगित किया है।द्यह्य१ ऋङ्कड्डस्र - आंगन मिलन सेवा सूरजपुर के आंगनबाड़ी केंद्रों में सजी पोषण और खुशियों की चौपाल ज्ञानेश कुमार के दौरे के दौरान उन्हें राज्य अतिथि घोषित किया गया था। उनके लिए जरूरी प्रोटोकॉल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत रायपुर कलेक्टर, पुलिस आयुक्त/पुलिस अधीक्षक, स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के निदेशक, सुरक्षा अधिकारी, सीआईएसएफ और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को भी सूचना भेजी गई थी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने पत्र में कहा है कि, संशोधित कार्यक्रम की तारीख की जानकारी निर्वाचन आयोग से मिलने के बाद अलग से दी जाएगी। यानी फिलहाल ज्ञानेश कुमार के छत्तीसगढ़ आने की नई तारीख तय नहीं हुई है।

होटल के बाथरूम में मिला स्पाइ कैमरा, स्टाफ पर शक, पुलिस जांच में जुटी

दुर्ग। भिलाई के सिविक सेंटर स्थित होटल हरिराज के बाथरूम में कथित तौर पर स्पाइ कैमरा मिलने का मामला सामने आया है। होटल में ठहरी एक युवती ने बाथरूम का इस्तेमाल करते समय टाइल्स में बने दो छेदों के बीच कैमरे जैसी संदिग्ध वस्तु देखी। युवती ने मामले की जानकारी होटल प्रबंधन को देने के बजाय सीधे डायल 112 पर शिकायत की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के दौरान वहां कैमरा मिलने की बात सामने आई।बताया जा रहा है कि यह घटना करीब एक सप्ताह पुरानी है। युवती की शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम होटल पहुंची और संबंधित बाथरूम की जांच की। जिस स्थान पर युवती ने संदिग्ध वस्तु देखी थी, वहां कैमरा मिलने की जानकारी सामने आई। इसके बाद होटल प्रबंधन और स्टाफ के बीच हड़कंप मच गया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच शुरू की। होटल संचालक का दावा है कि प्रारंभिक जांच में होटल के ही एक स्टाफ की गतिविधियां संदिग्ध नजर आईं। संचालक के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक कर्मचारी पर शक जताया गया है।हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी व्यक्ति को आधिकारिक रूप से आरोपी घोषित नहीं किया है। मामले की जांच जारी है और होटल के सभी कर्मचारियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस उनसे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कैमरा बाथरूम में कब और किसने लगाया। जांच के दौरान जिस स्टाफ पर संदेह जताया गया है, उसके फरार होने की बात भी सामने आई है। होटल संचालक ने संबंधित कर्मचारी का आधार कार्ड, फोटो और मोबाइल नंबर पुलिस को उपलब्ध कराया है। इन्हीं जानकारियों के आधार पर पुलिस उसकी तलाश कर रही है और मोबाइल लोकेशन समेत अन्य तकनीकी साक्ष्य खंगाले जा रहे हैं।पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कथित स्पाइ कैमरा कितने समय से बाथरूम में लगा था और उसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा था। कैमरे में कोई रिकॉर्डिंग हुई या नहीं, यह भी जांच का अहम हिस्सा है। इसके अलावा होटल के अन्य कमरों और बाथरूमों की भी जांच किए जाने की संभावना है, ताकि किसी अन्य स्थान पर भी इस तरह का उपकरण मौजूद तो नहीं है।कहना है कि जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और स्टाफ के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कैमरा किसने लगाया, कब लगाया और इसके पीछे क्या मंशा थी। संबंधित कर्मचारी की तलाश जारी है और मामले के तकनीकी पहलुओं की भी जांच की जा रही है। होटल के बाथरूम में कैमरा मिलने की खबर सामने आने के बाद गोपनीयता और सुरक्षा को

खेल से जंगल तक- एक ऐसी शख्सियत, जिसने युवाओं को प्रकृति से जोड़ने का संकल्प लिया

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

शारीरिक शिक्षा में पीएचडी, तैराकी में राष्ट्रीय स्तर का अनुभव, दो दशक तक क्रीड़ा अधिकारी की जिम्मेदारी और अब जंगलों को समझने-समझाने का अभियान—डॉ. बाजपेयी की कहानी खेल, शिक्षा, सेवा और प्रकृति प्रेम का अनूठा संगम है।

कुछ लोग अपनी नौकरी को केवल जिम्मेदारी मानकर निभाते हैं, जबकि कुछ लोग अपने काम को समाज के लिए एक मिशन बना देते हैं। डॉ. बाजपेयी ऐसे ही व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने खेल और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने के बाद प्रकृति संरक्षण को अपने जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य बना लिया।बिलासपुर के एक संस्कारी और प्रतिष्ठित परिवार में जन्मे डॉ. बाजपेयी ने शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा हासिल की। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से शारीरिक शिक्षा विषय में प्रथम पीएचडी प्राप्त करने वाले डॉ. बाजपेयी ने तैराकी में राज्य और राष्ट्रीय स्तर



पर प्रतिनिधित्व किया। खेल के प्रति उनकी इसी प्रतिबद्धता ने उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण के पश्चिम क्षेत्र, गांधीनगर से हढ्ढस् प्रमाणपत्र हासिल करने तक पहुंचाया।

लगभग दो दशक तक आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, छत्तीसगढ़ में क्रीड़ा अधिकारी के रूप में उन्होंने खेल गतिविधियों को नई दिशा देने का काम किया। लेकिन डॉ. बाजपेयी की पहचान केवल एक खेल अधिकारी तक सीमित नहीं रही। खेल मैदान से निकलकर उनका जुड़ाव धीरे-धीरे जंगल और प्रकृति से गहराता गया।

जंगल को सिर्फ देखना नहीं, समझना जरूरी है

डॉ. बाजपेयी मानते हैं कि जंगलों के संरक्षण के लिए केवल पेड़ लगाना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि लोग जंगल को समझें, उसके भीतर मौजूद जीवन को महसूस करें और प्रकृति के साथ अपना रिश्ता विकसित करें।

इसी सोच ने उन्हें सैकड़ों जंगल ट्रैकिंग और प्रकृति अवलोकन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।

युवाओं से लेकर अलग-अलग आयु वर्ग के प्रकृति प्रेमियों तक को वे 5 से लेकर 25 किलोमीटर तक की ट्रैकिंग कराते हैं। ट्रैकिंग महज पैदल चलने का कार्यक्रम नहीं होती। जंगल के बीच चलते हुए प्रतिभागियों को पेड़-पौधों, पक्षियों, वन्यजीवों, उनके व्यवहार और जीवनशैली के बारे में जानकारी दी जाती है।जो व्यक्ति एक बार इन कार्यक्रमों में शामिल होता है, उसके लिए जंगल फिर केवल पेड़ों का समूह नहीं रह जाता। वह जंगल में जीवन को महसूस करने लगता है। पेड़-पौधों, पक्षियों और वन्यजीवों के प्रति उसका नजरिया बदलता है और प्रकृति संरक्षण की जरूरत उसके भीतर से पैदा होती है।

'जंगल मितान' बना प्रकृति प्रेमियों का कारवां

इसी उद्देश्य को व्यापक रूप देने के लिए डॉ. बाजपेयी ने प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक और संकल्पित लोगों को एक मंच पर जोड़ा और 'जंगल मितान' संस्था की शुरुआत की।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी मामले में शिकायत के बाद जांच शुरू

विशेष पिछड़ी जन जाति के हक में डाका बर्दाश्त नहीं ट्ठगुलाब कमरों।

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

बिलासपुर जिले के मस्तूरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पाली में 55 लोगों द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति (बैगा) के अधिकारों पर डाका डालते हुए कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर धीवर जाति से विशेष पिछड़ी जनजाति का प्रमाण पत्र बनवाकर विभिन्न शासकीय विभागों में नौकरी प्राप्त करने का मामला सामने आया है।

मामले में पूर्व विधायक भरतपुर-सोनहत गुलाब कमरो द्वारा संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत किए जाने के बाद प्रशासनिक स्तर पर जांच की कार्रवाई शुरू हो गई है।जानकारी के अनुसार गुलाब कमरो ने इस मामले की शिकायत सचिव, अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, सचिव स्कूल शिक्षा विभाग सहित कलेक्टर बिलासपुर, कलेक्टर जीपीएम और कलेक्टर एमसीबी से की थी। शिकायत में फर्जी जनजाति प्रमाण पत्रों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई थी।

शिकायत के बाद कलेक्टर बिलासपुर द्वारा छह शिकायतों को टीएल (टाइम लिमिट) में दर्ज कर जांच प्रारंभ कराई गई है। प्रशासनिक जांच के माध्यम से संबंधित प्रमाण पत्रों और दस्तावेजों की वैधता की पड़ताल की जा रही है।

एमसीबी में पदस्थ सहायक शिक्षक ने दिया इस्तीफा

मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम एमसीबी जिले में सामने आया है। शिकायत के बाद यहां पदस्थ एक सहायक शिक्षक द्वारा अपने पद से त्यागपत्र दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

उच्च स्तरीय छानबीन समिति को भेजी गई जांच रिपोर्ट



सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, बिलासपुर द्वारा लिखित पत्र के माध्यम से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार डिप्टी कमिश्नर द्वारा मामले से संबंधित जांच रिपोर्ट संचालक/सदस्य, उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति, संचालनालय, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर को प्रेषित कर दी गई है।

फिलहाल मामला राज्य स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति के स्तर पर प्रक्रियाधीन बताया गया है। समिति द्वारा दस्तावेजों और संबंधित प्रमाण पत्रों की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि प्रमाण पत्र नियमों के अनुरूप जारी हुए थे या उनमें किसी प्रकार की अनियमितता अथवा कूटरचना हुई थी।

जांच के निष्कर्ष पर टिकी कार्रवाई

55 लोगों से जुड़े बताए जा रहे इस मामले ने जनजाति प्रमाण पत्रों की सत्यता और उनके आधार पर शासकीय सेवाओं में हुई नियुक्तियों की जांच को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अब निगाहें राज्य स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की रिपोर्ट पर टिकी हैं। जांच में यदि प्रमाण पत्र फर्जी या नियम विरुद्ध पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई का रास्ता खुल सकता है।

फिलहाल मामला जांचाधीन है और अंतिम तथ्य सक्षम जांच समिति की रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होंगे।

सेवा की कहानी : राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत पुष्प क्षेत्र विस्तार घटक योजना से कुमारी ने गेंदे की खेती को अपनाया

प्रति एकड़ लगभग 2 लाख से अधिक की शुद्ध आय अर्जित की

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा ने देश में कृषि सहित हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और नवाचार को नई दिशा दी है। विकसित भारत के संकल्प के साथ किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर लाभकारी फसलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी सोच को साकार करते हुए महासमुंद जिले के बागबाहरा विकासखंड के ग्राम भदरसी की कृषक कुमारी चंद्राकर ने उद्यानिकी फसलों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाया है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन



के सहयोग से गेंदे की खेती कर उन्होंने प्रति एकड़ लगभग 2 लाख 7 हजार रुपए की शुद्ध आय अर्जित की है। कृषक कुमारी चंद्राकर के पास कुल 0.64 हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि है। परंपरागत रूप से धान की खेती में अधिक लागत और अपेक्षाकृत कम उत्पादन को देखते हुए उन्होंने उद्यानिकी फसलों की ओर रुख किया। वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत पुष्प क्षेत्र विस्तार घटक से गेंदे की खेती को अपनाया। योजना के तहत 0.64 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदे की फसल के लिए उन्हें 12 हजार 800 रुपए का अनुदान डीबीटी के माध्यम से प्राप्त हुआ।

कुमारी चंद्राकर बताती है कि उन्होंने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रिप सिंचाई एवं कृषि यंत्रों को अपनाकर गेंदे की खेती की। बेहतर प्रबंधन और वैज्ञानिक तरीके से खेती करने से उन्हें प्रति एकड़ लगभग 2 लाख 7 हजार रुपए की शुद्ध आय प्राप्त हुई। इसके साथ ही वे प्रतिवर्ष धनिया, प्याज, बैंगन, मूली और भाजी जैसी विभिन्न उद्यानिकी फसलों की खेती भी कर रही हैं। कुमारी चंद्राकर की सफलता अब आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रही है। उनकी सब्जी एवं फूलों की खेती को देखकर रिश्तेदारों और आसपास के अन्य किसानों में भी उद्यानिकी फसलों को अपनाने के प्रति रुचि बढ़ी है।

अंतिम व्यक्ति का उत्थान और सर्वसमावेशी विकास ही हमारी प्रतिबद्धता: राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

अंतिम व्यक्ति का उत्थान और सर्वसमावेशी विकास ही हमारी प्रतिबद्धता- राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा

सुशासन और सर्वव्यापी विकास का नया दौर

योजनाओं का मिला लाभ, तो संवर गया जीवन

मोहला-मानपुर में मंत्री टंक राम वर्मा ने जाना योजनाओं का जमीनी असर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक पहुँचकर आम जनता के जीवन में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की इसी कड़ी में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज सुबह जिला मोहला-मानपुर-



अंबागढ़ चौकी के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के बीच पहुँचकर जमीनी स्तर पर शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और हितग्राहियों से सीधा संवाद कर उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली।

?मंत्री श्री वर्मा ने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत माड़िंग पिड़िंग भूर्सा जनपद पंचायत मोहला में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के लाभार्थी इन्द्र कुमार पिता मदन लाल के निर्माणाधीन घर का अवलोकन किया, वर्ष 2025-26 के तहत स्वीकृत इस पक्के आवास हेतु 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि प्रदान की जा रही है, साथ ही परिवार को 90 दिनों का मनरेगा रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

बहुआयामी विकास का केंद्र बनीं सरकारी योजनाएं

लाभार्थी परिवार की श्रीमती हेमेश्वरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों के प्रति गहरा आभार जताया। उन्होंने बताया कि सरकार की एकीकृत कल्याणकारी सोच से उनके परिवार की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।श्रीमती हेमेश्वरी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से हमें न केवल सुरक्षित और पक्का घर मिला है, बल्कि इसके साथ उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस कनेक्शन मिलने से धुएँ से मुक्ति मिली है।

पत्रकार स्व. पंकज शर्मा की प्रतिमा का उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया अनावरण, पत्रकारिता में योगदान को किया गया

पत्रकार स्व. पंकज शर्मा की प्रतिमा का उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया अनावरण, पत्रकारिता में योगदान को किया गया याद

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

पत्रकार स्व. पंकज शर्मा की प्रतिमा का उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया अनावरण, पत्रकारिता में योगदान को किया गया याद पत्रकार स्व. पंकज शर्मा की प्रतिमा का उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया अनावरण, पत्रकारिता में योगदान को किया गया याद रायपुर ने पत्रकारिता के क्षेत्र में देश और प्रदेश को कई मूर्धन्य पत्रकार दिए हैं, इन्हीं में से एक नाम वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय पंकज शर्मा का है। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से पंकज गार्डन, खो-खो पारा में उनकी प्रतिमा का अनावरण उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। समारोह में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री सुनील सोनी, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री अनुज शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री हिमांशु द्विवेदी, रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी तथा अखंड ब्राह्मण समाज से श्री ज्ञानेश शर्मा सहित पत्रकारिता, सामाजिक एवं



राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान स्वर्गीय पंकज शर्मा के जीवन और उनकी पत्रकारिता यात्रा पर आधारित करीब एक घंटे की विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से उनके पत्रकारिता जीवन, देश-विदेश में किए गए कार्यों, उनकी लेखन शैली, संवाद क्षमता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण को स्मरण किया गया। डॉक्यूमेंट्री ने उपस्थित लोगों को पंकज शर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व से भावनात्मक रूप से जोड़ा।

पंकज शर्मा पत्रकारिता की एक पूरी पीढ़ी के प्रेरणास्रोत - उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि स्व. पंकज शर्मा ने पत्रकारिता को केवल पेशे के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और मिशन के रूप में जिया। उन्होंने सीमित जीवनकाल में अपनी प्रतिभा और लेखनी से ऐसी पहचान बनाई, जो आज भी पत्रकारिता जगत के लिए प्रेरणा है। शर्मा ने कहा कि पंकज शर्मा की स्मृति को स्थायी रूप देना केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि रायपुर की पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा का सम्मान है।

पंकज शर्मा ने रायपुर की पत्रकारिता को राष्ट्रीय पहचान दी: सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पंकज शर्मा रायपुर की उस पत्रकारिता परंपरा के प्रतिनिधि थे, जिसने अपनी प्रतिभा और लेखनी के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि पंकज शर्मा ने पत्रकारिता में जिस ऊंचाई को हासिल किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उनकी स्मृति में प्रतिमा का अनावरण आने वाली पीढ़ी को उनके योगदान से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

विधायक सुनील सोनी और विधायक मोतीलाल साहू ने भी स्वर्गीय पंकज शर्मा को याद करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया। वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु द्विवेदी ने पंकज शर्मा की पत्रकारिता शैली, उनके लेखन और उस दौर की पत्रकारिता में उनके प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पंकज शर्मा के नाम पर संस्थानों और सम्मान की पहल का प्रस्ताव

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने स्वर्गीय पंकज शर्मा की स्मृति को और व्यापक स्वरूप देने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। उन्होंने पंकज उद्यान का नाम विस्तारित कर ÷पत्रकार पंकज शर्मा उद्यान÷ करने, खो-खो पारा स्थित स्कूल का नाम ÷पत्रकार पंकज शर्मा÷ के नाम पर करने, तथा युवा पत्रकार राज्य अलंकरण की शुरुआत स्वर्गीय पंकज शर्मा के नाम से किए जाने का प्रस्ताव रखा।उन्होंने पत्रकारिता विश्वविद्यालय की किसी प्रमुख बिल्डिंग का नाम भी ÷पंकज शर्मा÷ के नाम पर किए जाने का सुझाव दिया। मंच पर मौजूद सभी अतिथियों ने इन प्रस्तावों का समर्थन किया और पंकज शर्मा की स्मृति को संस्थागत रूप से संरक्षित करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय पंकज शर्मा ने अपने अल्प जीवनकाल में पत्रकारिता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता को नई दिशा दी और देश-विदेश में अपनी प्रतिभा से भारतीय पत्रकारिता का गौरव बढ़ाया। उनकी स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रतिमा अनावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि पत्रकारिता के मूल्यों, परंपरा और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा को आगे बढ़ाने का संकल्प भी है। कार्यक्रम का आयोजन रायपुर प्रेस क्लब, अखंड ब्राह्मण समाज छत्तीसगढ़ एवं विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंधन समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।